दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

आज का विचार

सत्य एक सर्जरी की तरह है। यह दर्द देता है, लेकिन ठीक करता है। फरेब दर्द निवारक दवा की तरह है। इससे तुरंत राहत मिलती है लेकिन दुष्प्रभाव हमेशा के लिए रहते हैं।

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । बुधवार, 2 अप्रैल, 2025 वर्ष 23, अंक 81, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

भगवंत मान का मिशन रोजगार जारी, अब तक युवाओं को 55,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई

नशे की समस्या के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए शिक्षकों को युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने 'मिशन रोजगार' को जारी रखते हुए अपने 36 महीने के कार्यकाल के दौरान युवाओं को 55,000 से अधिक सरकारी नौकरियां देकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यहां 700 से अधिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक मौके पर नव-नियुक्त शिक्षकों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि वे अपनी ड्यूटी पूरी मेहनत से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि यह नौकरी शिक्षकों की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल है, क्योंकि उनकी सरकार युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरियां दे रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में शिक्षा क्रांति का युग शुरू हो चुका है, क्योंकि स्कूलों के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर सबसे अधिक जोर दिया जा रहा है, जिसके लिए कई पहल की गई हैं। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार विभाग में खाली पड़े सभी पदों को भरेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया के लिए उचित विधि अपनाई गई है, जिसके कारण अब तक 55,000 से अधिक नौकरियाँ दी गईं, लेकिन एक भी नौकरी को अदालती चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि पंजाब सरकार ने सभी युवाओं को पूरी तरह से योग्यता के आधार पर नौकरियां दी हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पारदर्शी भर्ती से सरकार के प्रति युवाओं का भरोसा बढ़ा है,

जिसके कारण अब वे विदेश जाने का विचार त्याग कर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड पर है कि विदेश जाने के पुराने रुझान के उलट राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के दाखिलों में भारी वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री ने दुख व्यक्त किया कि पिछली सरकारों ने अपने लंबे शासनकाल के दौरान राज्य के युवाओं को नौकरियों से वंचित कर दिया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि जिन्होंने युवाओं को नौकरियां देने से इनकार किया था, उन्हें राज्य के लोगों ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। भगवंत सिंह मान ने व्यंग्य करते हुए कहा कि यह बहुत संयोग की बात है कि अब युवाओं को नौकरियां मिल रही हैं, लेकिन जिन्होंने इनका भविष्य बर्बाद कर दिया, वे अब बेरोजगार हैं और सत्ता से बाहर बैठे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले शासकों ने पंजाबियों की मानसिकता को ठेस पहुंचाई और राज्य में माफिया को संरक्षण देने के साथ-साथ खजाने की अंधाधुंध लूट की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछली सरकारों के कचरे को साफ कर रही है और अब रंगला पंजाब बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिसके लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के सभी क्षेत्रों में पूरी तरह सुधार किया जा रहा है ताकि पंजाब के विकास को बड़ा प्रोत्साहन दिया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों को विदेशों और यहां तक कि प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए भेज रही है ताकि उनके शिक्षण कौशल को निखारा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित स्टाफ ने राज्य के सरकारी स्कूलों में दाखिले की दर बढ़ाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि पंजाब शिक्षा क्रांति का अग्रणी बन रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने इस पर अधिक जोर दिया हुआ है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब शिक्षक और प्रिंसिपल केवल शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि बाकी सभी कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा आवश्यक स्टाफ की भर्ती की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नव-नियुक्त युवा सरकार का अभिन्न अंग बन गए हैं और उन्हें अब मिशनरी भावना के साथ लोगों की सेवा करनी चाहिए। भगवंत मान ने उम्मीद जताई कि नव-नियुक्त युवा अपनी कलम का उपयोग समाज के जरूरतमंद और पिछड़े वर्गों की मदद के लिए करेंगे। उन्होंने कहा कि इन युवाओं को जनता की अधिकतम भलाई सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके। इससे पहले शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने मुख्यमंत्री और अन्य शख्सियतों का स्वागत किया।

15 जून तक राज्य की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य किया जाये पूराः नायब सैनी

सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में कोई कोताही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की सभी सड़कों की मरम्मत का काम 15 जून तक पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी एक विशेष अभियान चलाकर इस सम्बन्ध में टेंडर आदि की सभी प्रक्रियाएं 15 दिनों के अंदर पूरी करना सुनिश्चित करें ताकि आगामी मानसून से पहले सभी सड़कों की मरम्मत का कार्य अच्छी गुणवत्ता के साथ पूरा किया जा सके। मुख्यमंत्री यहां हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद थे।

क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि खराब सड़कों को चिह्नित कर 15 दिन के भीतर मरम्मत कार्य शुरू करवाना सुनिश्चित किया जाये ताकि आमजन को राहत प्रदान की जा सके। इसके अतिरिक्त, पांच जिलों में जिला परिषद् को स्थानांतरित की गई सभी सड़कों की रिपेयर और मरम्मत भी तय समय सीमा में पूरी करवाई जाये। साथ ही, मरम्मत कार्यों में गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए

- तय समयसीमा में सभी सड़कों का गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य किया जाये
- सभी मंडियों के अंदर की सड़कों के रखरखाव भी सुनिश्चित किया जाये

कहा कि सड़कों की मरम्मत के सम्बन्ध में कोई कोताही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा बजट सत्र के दौरान घोषणा करते हुए कहा था कि आगामी 6 महीने में हरियाणा प्रदेश की सभी सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश में एक भी सड़क टूटी हुई नहीं मिलेगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में सड़कों के चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मेन्टेन की जा रही सड़कों को 12 फुट से 18 फुट करने की दिशा में भी कार्य किया जाना चाहिए। सड़कों पर बढ़ते हुए यातायात को देखते हुए यह अत्यंत जरूरी है। साथ ही, प्रदेश की सभी मंडियों के अंदर की सड़कों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि मंडी में फसल लेकर आने वाले किसानों को कोई दिक्कत न हो।

बैठक में बताया गया है हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मेन्टेन की जा रही 4313 सड़कों में से 465 सड़कें 18 फुट की हैं। 34 अन्य सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त, 118 किलोमीटर की 35 सड़कें के चौड़ीकरण के लिए टेंडर प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा करते हुए श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करे कि सभी घोषणाएं तय समय सीमा में पूरी हो। इसके लिए सभी सम्बंधित विभाग बेहतर तालमेल कर कार्य करें जिससे विकास कार्यों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराया जा सके।

बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, विकास एवं पंचायत विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ अमित कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री मुकेश कुमार आहूजा, कृषि निदेशक श्री राज नारायण कौशिक, खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक श्री राजेश जगपाल हैफेड के प्रबंध निदेशक श्री मुकुल कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

गेहूं खरीद को लेकर सरकार ने किए पुख्ता इंतजाम

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गेहूं की खरीद को लेकर सरकार ने पुख्ता इंतजाम किए है। इसके लिए मंडियों में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किसानों को किसी प्रकार की कोई भी कठिनाई नहीं आने दी जाएगी। आज मुख्यमंत्री पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गेहूं की खरीद के लिए सभी जिला अधिकारियों को पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दे दिए गए है। किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है, उन्होंने कहा कि मंडियों में बारदाने की उचित व्यवस्था के साथ साथ साफ सफाई व पेयजल की व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए गए है। किसानों को उनकी फसल का एमएसपी पर खरीद के बाद समय पर भुगतान हो, इसके लिए भी दिशा निर्देश दें दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि खरीदी गई फसल का भुगतान किसानों को 48 से 72 घंटे में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केंद्र सरकार ने गेहूं का भाव 2425 प्रति क्विंटल निर्धारित किया है।

भारत, चिली सीईपीए के तहत मुक्त व्यापार समझौते का करेंगे विस्तार : पीएम मोदी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट से मुलाकात के बाद कहा कि भारत और चिली व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) के तहत मुक्त व्यापार समझौते का विस्तार करेंगे।

चर्चा के बाद चिली के राष्ट्रपति बोरिक के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति बोरिक की यह पहली भारत यात्रा है। भारत के लिए चिली लैटिन अमेरिका में एक महत्वपूर्ण मित्र और पार्टनर देश है। आज की चचाओं में हमने आने वाले दशक में सहयोग बढ़ाने के लिए कई नए पहल की पहचान की। आज हमने एक पारस्परिक लाभकारी व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते पर चर्चा शुरू करने के लिए अपनी टीमों को निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में साझेदारी को बल दिया जाएगा। लचीली आपूर्ति और मूल्य शृंखला को स्थापित करने के लिए काम किया जाएगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष तथा अन्य क्षेत्रों में भारत अपना सकारात्मक अनुभव चीली के साथ साझा करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम चिली को अंटार्कटिका के गेटवे के रूप में देखते हैं। इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए आज दोनों पक्षों के बीच आशय पत्र पर बनी सहमति का हम स्वागत करते हैं।

फोटो : हि.स.

उन्होंने कहा कि यह खुशी का विषय है कि चिली के लोगों ने योग को स्वस्थ जीवनशैली के रूप में अपनाया है। चिली में 4 नवंबर को राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। हमने चिली में आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में भी सहयोग बढ़ाने पर विचार किया। उन्होंने कहा कि दोनों देश न केवल प्रकृति से बल्कि हमारी समृद्ध और विविध संस्कृतियों के माध्यम से भी जुड़े हुए हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता गैब्रिएला मिस्ट्रल ने अरबिंदो घोष और रवींद्रनाथ टैगोर के दर्शन से प्रेरणा ली। इसी तरह, भारत चिली के साहित्य को बहुत सम्मान देता है। चिली में भारतीय फिल्मों, शास्त्रीय नृत्य और व्यंजनों की व्यापक सराहना इस सांस्कृतिक संबंध का जीवंत प्रमाण है।

आनंद लेने, सीखने और आगे बढ़ने का शानदार अवसर प्रदान करती हैं गर्मी की छुट्टियांः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के युवाओं को उनकी ग्रीष्मकालीन छुट्टियों की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्हें इस समय का उपयोग आनंद, सीखने और व्यक्तिगत विकास के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया। लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या की एक्स पर पोस्ट का जवाब देते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री ने लिखा, मेरे सभी युवा मित्रों को शानदार अनुभव और खुशहाल छुट्टियों की शुभकामनाएं। जैसा कि मैंने पिछले रविवार को मन की बात में कहा था, गर्मी की छुट्टियां आनंद लेने, सीखने और आगे बढ़ने का एक शानदार अवसर प्रदान करती हैं। इस दिशा में इस तरह के प्रयास बहुत बढ़िया हैं। सांसद सूर्या ने एक्स पर पोस्ट किया, हमने निर्वाचन क्षेत्र में 10 केंद्रों में 8-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले बेंगलुरु दक्षिण समर कैंप की शुरूआत की है। योग और ध्यान, गीता पाठ, नृत्य फिटनेस, आत्मरक्षा और ड्राइंग के सत्रों के साथ, इन गतिविधियों के माध्यम से लगभग 2,500 युवा दिमाग इन छुट्टियों के दौरान एक अतिरिक्त कौशल सीख रहे हैं।

देश में वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर छह हुईः अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने नक्सलवाद को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के अभियान के तहत देश के छह जिलों को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) के दुष्प्रभाव से मुक्त कराया है। इससे वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर मात्र छह रह गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर

कहा, नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे देश ने वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 कर एक नया मील का पत्थर हासिल किया है। मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी एक बयान में कहा कि देश में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या 38 थी। इनमें सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई है, चिंताजनक जिलों की संख्या भी 9 से घटकर 6 हो गई है और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या भी 17 से घटकर 6 हो गई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में छत्तीसगढ़ के 4 जिले (बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा), झारखंड का 1 (पश्चिमी सिंहभूम) और महाराष्ट्र का 1 (गढ़चिरौली) शामिल है।

डीसा की पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग, 11 श्रमिकों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
डीसा

बनासकांठा जिले के डीसा के समीप ढुंवा रोड स्थित जीआईडीसी में पटाखा गोदाम में भीषण ब्लास्ट हो गया। इसमें 11 श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि छह झुलस गए हैं। प्राथमिक जांच में पता चला है कि फैक्ट्री के बॉइलर में ब्लास्ट होने साथ आग फैल गई। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री का स्लैब नीचे गिर गया। वहां मौजूद श्रमिकों के परखच्चे उड़ गए। मानव अंग समेत अन्य सामान उछल कर दूर जा गिरे। सभी झुलसे लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मौके पर आग बुझाने से लेकर तमाम बचाव के काम शुरू कर दिए गए हैं। बनासकांठा जिले के कलक्टर मिहिर पटेल ने बताया कि मंगलवार सुबह डीसा के इंडस्ट्रियल क्षेत्र के पटाखा फैक्ट्री में भीषण ब्लास्ट हुआ, जिससे फैक्ट्री का स्लैब गिर गया। फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिक और परिवार इसी में रहते हैं। फिलहाल डीसा नगर पालिका के फायर फाइटर की टीम आग पर काबू पा चुकी है। सूत्रों के अनुसार अभी तक फैक्ट्री से 11 श्रमिकों के शव सिविल हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए लाया गया है। डीसा की एसडीएम नेहा पंचाल ने बताया कि घायल श्रमिकों में से तीन श्रमिक 40 फीसदी से अधिक झुलसे हैं, जिन्हें सिविल हॉस्पिटल में इलाज कराया जा रहा है। फैक्ट्री दीपक ट्रेडर्स के नाम से होने की जानकारी मिली है। इसके

फोटो : हि.स.

मालिक का नाम खूबचंद सिंधी बताया गया है, जो कि घटना के बाद से फरार हो गया है। फैक्ट्री मालिक को महज पटाखा बेचने की मंजूरी थी, लेकिन यहां विस्फोटक पदार्थ लाकर पटाखा बनाया भी जाता था। घटना के समय 20 से अधिक श्रमिकों के फैक्ट्री में अंदर होने की जानकारी मिली है। यह सभी श्रमिक मध्यप्रदेश के रहने वाले बताए गए हैं। सभी श्रमिक दो दिन पहले ही मध्यप्रदेश से यहां आए थे। हाल मृतकों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

देश की सभी ग्राम पंचायतों को तीव्र संचार प्रणाली से जोड़ा जाएगाः सिंधिया

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को मुंबई में कहा कि देश की प्रत्येक ग्राम पंचायतों को तीव्र संचार प्रणाली से जल्द जोड़ा जाएगा। इस दिशा में तीव्र संचार प्रणाली बनाने के लिए भारत नेट परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इससे सुदूरतम क्षेत्रों में भी अच्छी संचार व्यवस्था स्थापित हो सकेगी। भारत नेट फेज-2 के तहत देशभर में एक लाख 4जी नेटवर्क टावर लगाए जाएंगे। इन टावरों को मुख्य रूप से असंबद्ध क्षेत्रों में स्थापित करने की योजना है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुंबई में स्थित सह्याद्रि गेस्ट हाउस में आज संचार प्रणाली से संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने भारत नेट के प्रथम चरण में अच्छा प्रदर्शन किया है। अब दूसरे चरण का क्रियान्वयन किया जा रहा है। केन्द्रीय संचार मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों को इस परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की शेष बची प्रत्येक ग्राम पंचायत तक संचार व्यवस्था स्थापित करने का निर्देश दिया। साथ ही केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने मुंबई में बीएसएनएल और एमटीएनएल की संपत्तियों के संबंध में शहरी विकास विभाग, बृहन्मुंबई महानगरपालिका और केंद्रीय दूरसंचार विभाग के अधिकारियों की एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए और चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार गढ़चिरौली सहित राज्य के दूरस्थ और अति दूरस्थ क्षेत्रों में संचार व्यवस्था बनाने में केंद्र के साथ पूरा सहयोग

फोटो : हि.स.

करेगी। टावर के निर्माण के लिए गढ़चिरौली के सुदूर क्षेत्रों में पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि इस क्षेत्र में संचार प्रणाली अच्छी तरह से विकसित हो जाए तो यहां के युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ना सुविधाजनक होगा। गढ़चिरौली सहित सुदूर क्षेत्रों में भी संचार व्यवस्था बनाई जा रही है। भारत नेट फेज-2 के तहत सरकार राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में संचार प्रणाली बनाने के लिए काम करेगी। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य इस चरण में भी देश में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, मुख्य सचिव सुजाता सैनिक, केंद्रीय दूरसंचार सचिव नीरज कुमार, बीएसएनएल के प्रबंध निदेशक रॉबर्ट रवि और अन्य उपस्थित थे।

देश में पहली बार ब्रिज इंजीनियरिंग व ड्रोन टेक्नोलॉजी में होगी एमटेक डिग्री

जोधपुर। आने वाले समय में ड्रोन विशेषज्ञों की जरूरतों को देखते हुए जोधपुर आईआईटी ने पहल की है। यहां देश में पहली बार ब्रिज इंजीनियरिंग में एमटेक व ड्रोन और एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी में स्पेशलाज्ड एमटेक कोर्स शुरू होने जा रहा है। पुल निर्माण तकनीक में दक्षता बढ़ाने के लिए ब्रिज इंजीनियरिंग में आईआईटी एमटेक पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इसके लिए आईआईटी जोधपुर में 2025-26 के सत्र के लिए एडमिशन शुरू हो गए हैं। आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. अविनाश अग्रवाल ने बताया कि संस्थान के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में ड्रोन और एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी में विशेष एमटेक कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। ड्रोन रक्षा, निगरानी, आपदा प्रबंधन, रसद, कृषि और शहरी गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में तेजी से बदलाव ला रहे हैं, जबकि काउंटर-ड्रोन तकनीक राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा के लिए तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। अग्रवाल ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में एक अनूठी विशेषता है कि छात्र स्क्रैच से ड्रोन को इकट्ठा करेंगे। घटकों का विश्लेषण करेंगे। प्रदर्शन मीट्रिक की गणना करेंगे और उड़ान परीक्षण करेंगे। यह कोर्स बढ़ते उद्योग के लिए काफी लाभदायक होगा। उन्होंने बताया कि पूरी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करवाई गई है। इच्छुक उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग या विज्ञान में स्नातक की डिग्री या संबंधित क्षेत्रों में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। पंद्रह अप्रेल तक आवेदन किए जा सकते हैं। निदेशक ने बताया कि ब्रिज इंजीनियरिंग में एमटेक प्रभावशाली कोर्स है। आईआईटी जोधपुर के सिविल और इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तैयार किया गया यह देश का पहला ब्रिज इंजीनियरिंग का एमटेक कोर्स है।

शिमला में लॉन्च हुआ 'मेरे शहर के 100 रत्न' स्कॉलरशिप प्रोग्राम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

प्रदेश के मेधावी छात्रों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में मंगलवार को शिमला में ह्मारे शहर के 100 रत्न स्कॉलरशिप प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। क्रैक एकेडमी की टीम ने एक संवाददाता सम्मेलन में इस योजना की घोषणा की। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेशभर के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा शुरू की गई इस पहल के तहत राज्य के 6,800 होनहार विद्यार्थियों को मुफ्त कोचिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से 100 छात्रों का चयन कर उन्हें मुफ्त कोचिंग प्रदान की जाएगी। इस योजना के संचालन में लगभग 34 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। क्रैक एकेडमी के संस्थापक एवं सीईओ नीरज कंसल ने बताया कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है

और यह योजना छात्रों को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि हम छात्रों से आग्रह करते हैं कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं और अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के स्कूलों और कॉलेजों में परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। कक्षा 6 और उससे ऊपर के छात्र इस परीक्षा में भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से टॉप 100 छात्र पूरी तरह निःशुल्क कोचिंग प्राप्त करेंगे। अगले 200 छात्रों को 75% शुल्क में छूट दी जाएगी। 500 अतिरिक्त छात्रों को 50% शुल्क में छूट मिलेगी।

उन्होंने कहा कि क्रैक एकेडमी इन विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य प्राप्त करने तक मार्गदर्शन देती रहेगी। परीक्षा की निगरानी का जिम्मा शिक्षा विभाग के पास रहेगा, जबकि एकेडमी टेस्ट पेपर तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट सबसे पहले कांगड़ा जिले की ज्वालामुखी विधानसभा में लागू किया गया था, जहां 50 से अधिक स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। ज्वालामुखी के 220 चयनित छात्र इस समय मेरिट-आधारित कोचिंग प्राप्त कर रहे हैं। पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद इसे पूरे राज्य में लागू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश में शिक्षा का स्तर बेहतर होने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। क्रैक एकेडमी राज्यभर में 90 से अधिक कोचिंग सेंटर स्थापित करेगी, जिससे 5,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, अप्रत्यक्ष रूप से भी कई लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि क्रैक एकेडमी ने शिमला के रिज स्थित ऐतिहासिक पुस्तकालय के नवीनीकरण और रखरखाव के लिए 1.5 करोड़ रुपये खर्च करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि इस इमारत की ऐतिहासिक विरासत को संजोते हुए इसे आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जाए, ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

शिमला में पुलिस कांस्टेबल भर्ती शुरू, 11 अप्रैल तक चलेगी प्रक्रिया

शिमला। शिमला जिले में पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया का शुभारंभ आज पुलिस लाइन भराड़ी में हो गया। इस भर्ती प्रक्रिया के पहले दिन लगभग 800 युवा अपनी शारीरिक दक्षता का परीक्षण देने पहुंचे। भर्ती का दौर 11 अप्रैल तक चलेगा। पुलिस प्रशासन ने इस भर्ती को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं ताकि परीक्षा सुचारू और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके। यह भर्ती प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आई है। प्रदेश के अन्य जिलों में ग्राउंड टेस्ट पहले ही पूरा किया जा चुका है, जबकि शिमला में यह प्रक्रिया आज से शुरू हुई है। अभ्यर्थियों को भर्ती स्थल पर प्रवेश के लिए ई-प्रवेश पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया है। यदि किसी उम्मीदवार को ई-प्रवेश पत्र नहीं मिला है तो उन्हें हिमाचल प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग से संपर्क करने की सलाह दी गई है। भर्ती स्थल पर बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्णतः रोक रहेगी। इस बार भर्ती प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। 100 मीटर दौड़ को भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया गया है, जिससे अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता को और अधिक परखा जा सके। इसके साथ ही, इस बार उम्मीदवारों के लिए डोप टेस्ट अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना को बढ़ावा दिया जा सके। अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कुछ आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे, जिनमें एडमिट कार्ड की दो प्रतियां, हिमाचली बोनाफाइड प्रमाण पत्र, 10वीं और 12वीं कक्षा के प्रमाण पत्र, जन्म तिथि सत्यापन प्रमाण पत्र, आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए मूल प्रमाण पत्र और एक वैध फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, वोटर कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस) शामिल हैं। भर्ती प्रक्रिया को अनुशासित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए कई कड़े नियम लागू किए गए हैं। उम्मीदवारों को किसी भी प्रकार का अतिरिक्त सामान साथ लाने की अनुमति नहीं होगी, यहां तक कि मोबाइल फोन भी प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा अभ्यर्थियों के माता-पिता और अभिभावकों को भी भर्ती स्थल में प्रवेश नहीं मिलेगा। शिमला में इस भर्ती प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 12 पुलिस अधिकारियों सहित कुल 120 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा राज्य में कुल 1,088 कांस्टेबल पदों के लिए यह प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में 12,975 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, जिनमें महिला और पुरुष दोनों अभ्यर्थी शामिल हैं। भराड़ी पुलिस ग्राउंड में यह भर्ती प्रक्रिया 1 अप्रैल से 11 अप्रैल तक चलेगी और प्रत्येक दिन सुबह 8 बजे से शुरू होगी।

संक्षिप्त-समाचार

सोलन से लापता नाबालिग लुधियाना से बरामद

सोलन। सोलन से लापता हुई 15 वर्षीय नाबालिग लड़की को पुलिस ने पंजाब के लुधियाना से बरामद किया है और उसे परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस जाँच में जुटी है। पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बताया कि सोलन निवासी महिला ने 27 मार्च को महिला पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई कि 15 वर्षीय बेटी सुबह आठ बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई लेकिन शाम तक घर नहीं लौटी है। अपने स्तर पर परिजनों द्वारा सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं लगा है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 137(2) के तहत केस दर्ज कर जांच आरम्भ की। सोलन महिला पुलिस थाना की टीम ने तकनीकी जांच का सहारा लिया और कॉल डिटेल्स और टावर लोकेशन के आधार पर लड़की का पता लगाया गया। लोकेशन के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने पंजाब के लुधियाना में छापेमारी की और लड़की को वहां से बरामद कर लिया गया और सोलन वापस लाया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लड़की का मेडिकल परीक्षण कराया गया है और उससे पूछताछ की तो उसने बताया कि मां की डांट से नाराज होकर वह घर छोड़ कर चली गई थी।

हिमाचल सचिवालय सेवा के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को मिली पुनर्नियुक्ति, एक को सेवा विस्तार

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सचिवालय सेवा के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को पुनर्नियुक्ति दी है। वहीं एक वरिष्ठ अधिकारी की सेवा अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा दो अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। पहली अधिसूचना के अनुसार हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा (एचपीएसएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेंद्र शर्मा को पुनः सेवा में लिया गया है। उन्हें सरकार के संयुक्त सचिव (वित्त एवं संस्थागत वित्त) के एक्स-कैडर पद पर एक वर्ष के लिए पुनः नियुक्त किया गया है। यह अवधि 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक होगी। राज्य सरकार ने सार्वजनिक हित में यह निर्णय लिया है। वित्त विभाग ने इस पुनर्नियुक्ति को पूर्व स्वीकृति प्रदान कर दी है। दूसरी अधिसूचना में प्रदीप कुमार, जो वर्तमान में अतिरिक्त सचिव (वित्त) के पद पर कार्यरत हैं, की सेवा अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ाई गई है। उन्हें 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक सेवा विस्तार दिया गया है। इस सेवा विस्तार के लिए सरकार ने अतिरिक्त सचिव (एचपीएसएस) का एक्स-कैडर पद सृजित किया है। सेवा विस्तार की शर्तों के अनुसार प्रदीप कुमार को उनके वर्तमान वेतनमान पर ही कार्य करना होगा तथा उन्हें नए वेतनवृद्धि या पदोन्नति का लाभ नहीं मिलेगा। वित्त विभाग ने इस विस्तार को पूर्व अनुमोदन प्रदान किया है।सरकार के आदेशानुसार प्रदीप कुमार अब 31 मार्च 2026 को सेवा से सेवानिवृत्त होंगे।

थल सेना अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 10 तक

हमीरपुर। थल सेना में अग्निवीरों की भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीकरण के लिए अब कुछ दिन ही शेष रह गए हैं। थल सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर के निदेशक कर्नल बीएस भंडारी ने बताया कि इस भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 10 अप्रैल तक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की पहले ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित लिखित परीक्षा होगी और उसके बाद भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। आवेदन के इच्छुक एवं पात्र युवा वेबसाइट - ज्वाइनइंडियनआर्मी.एनआईसी.इन पर लॉग इन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण करवाने वाले उम्मीदवार का एक्टिव मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी होनी चाहिए, ताकि भविष्य में उससे संपर्क किया जा सके।

हमीरपुर में सर्विस इंजीनियरों और मार्केटिंग के साक्षात्कार कल

हमीरपुर। स्थानीय प्राइवेट कंपनी मैसर्स विमांशु इलीवेटर एंड एस्क्लेटर हमीरपुर में सर्विस इंजीनियर के 10 पदों, एक महिला रिसेप्शनिस्ट और मार्केटिंग के लिए 5 पुरुष उम्मीदवारों के पदों को भरने के लिए 3 अप्रैल को सुबह साढे दस बजे जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में साक्षात्कार लिए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि सर्विस इंजीनियर के पदों के लिए मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और फिटर ट्रेड के आईटीआई डिप्लोमाधारक युवा पात्र होंगे। महिला रिसेप्शनिस्ट और मार्केटिंग के पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक रखी गई है। इन सभी पदों के लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रखी गई है। चयनित आवेदको को कंपनी द्वारा 12 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जाएगा। किसी भी रोजगार कार्यालय में पंजीकृत पात्र उम्मीदवार हिमाचली स्थायी निवासी प्रमाण पत्र और अपने मूल प्रमाण पत्रों सहित साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं।

पानी भरने गए व्यक्ति पर हमला, दो भाइयों के खिलाफ एफआईआर

शिमला। जिला शिमला के थाना सुन्नी के तहत एक व्यक्ति पर हमला कर उसे बंधक बनाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में दो सगे भाइयों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता और दोनों आरोपी सुन्नी के शनाणा गांव के रहने वाले हैं। शिकायतकर्ता दूला चंद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि 30 मार्च की रात करीब 10:15 बजे जब वह प्राकृतिक जल स्रोत से पानी भरने गया तो गांव के ही कृष्ण (59) व हेमराज (51) पुत्र भूप राम ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने पहले उसे धमकाया, फिर रस्सियों से बांधकर बेरहमी से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। इस हमले में शिकायतकर्ता को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पीड़ित की शिकायत पर सुन्नी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 127(2), 115(2), 351(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है और कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

उपराज्यपाल ने माता वैष्णोदेवी मंदिर में मत्था टेका

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को माता वैष्णो देवी के गुफा मंदिर में मत्था टेका। अधिकारियों ने बताया कि राज्यपाल ने केंद्र शासित प्रदेश में शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार चैत्र नवरात्रि की शुरूआत से अब तक करीब एक लाख तीर्थयात्री मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भवन के बेस कैंप और मार्ग पर एआई-सक्षम सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन सहित कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

पुलिस चौकी कैनाल जम्मू ने चोरी की वारदातों को सुलझाया, चोरी का माल बरामद

जम्मू। पुलिस चौकी कैनाल रोड की पुलिस टीम ने त्वरित और कुशल कार्रवाई करते हुए रूना सदोत्रा पत्नी विक्रम सदोत्रा निवासी हरि नगर तालाब तिल्लो की शिकायत पर दर्ज की गई चोरी की वारदात को सफलतापूर्वक सुलझाया है। शिकायत में बताया गया था कि 14-03-2025 से 16-03-205 के बीच कुछ अज्ञात व्यक्ति/व्यक्तियों ने उनके घर में घुसकर घर के पानी के नल/एसी के तार चुरा लिए थे। शिकायत के आधार पर पुलिस स्टेशन नवाबाद में दिनांक 16-03-25 को धारा 331(4)/305 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 36/2025 दर्ज की गई और तुरंत जांच शुरू कर दी गई। एसएचओ नवाबाद इंस्पेक्टर दीपक पठानिया और डीएसपी मुख्यालय जम्मू की देखरेख और एसपी सिटी नॉर्थ की समग्र देखरेख में प्रभारी पुलिस पोस्ट पीएसआई विक्रम सिंह मन्हास के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। स्थानीय स्रोतों और तकनीकी इनपुट से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी सुनील कुमार उर्फ बुगु पुत्र कुलदीप राज निवासी त्रिलोकपुर कैंप गोल गुजराल जम्मू की पहचान की गई और चोरी का माल बरामद किया गया। यह बरामदगी पीड़ितों को न्याय दिलाने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में जम्मू पुलिस के त्वरित और पेशेवर प्रयासों को उजागर करती है। मामले की आगे की जांच जारी है।

सेना की राइजिंग स्टार कोर के जेसीओ ने उपराज्यपाल से मुलाकात कर मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य पर चर्चा की

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

सेना की राइजिंग स्टार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजन शरावत ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य पर चर्चा की।

राइजिंग स्टार कोर कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों के कुछ हिस्सों के परिचालन क्षेत्रों की देखरेख करता है जिसमें जम्मू-कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा बेल्ट भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि बैठक के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल ने उपराज्यपाल के साथ सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल शरावत के साथ टाइगर डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल मुकेश भानवाला भी थे।

कठुआ जिले में चल रहे 10-दिवसीय अभियान के मद्देनजर यह बैठक काफी महत्वपूर्ण थी। इस अभियान के दौरान दो आतंकवादी मारे गए जबकि चार पुलिसकर्मी वीरगति को प्राप्त हो गए और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सहित तीन अन्य घायल हो गए।

पालमपुर हेलीपोर्ट केंद्र का तोहफा : त्रिलोक कपूर

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

पालमपुर हेली पोर्ट स्वीकृति का निर्णय केंद्र की मोदी सरकार की उड़ान योजना का तोहफा है, न कि सुक्खू सरकार का है। यह शब्द भाजपा के प्रदेश महामंत्री त्रिलोक कपूर ने मंगलवार को जारी एक प्रेस बयान में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि तत्कालीन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयास और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से हिमाचल प्रदेश में 4 चार नए हेली पोर्ट के निर्माण के लिए मंजूरी मिली है।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उड़ान योजना के तहत इन चार हेलीपोर्ट के लिए 52 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। प्रदेश भाजपा महामंत्री ने कहा कि भारतीय विमान

पतन प्राधिकरण क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान योजना के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के रिकांगपिओ, चंबा, पालमपुर और धर्मशाला के रक्कड़ जैसे प्रदेश के दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी देना और पर्यटन को विकसित करने के लिए पूर्व भाजपा सरकार ने वर्ष 2021 में इसके लिए प्रयास शुरू किए थे और वर्ष 2022 के अंत में इसके लिए मोदी सरकार ने उड़ान योजना 5-1 के अंतर्गत 52 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे। कपूर ने बताया कि खेद का विषय है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने पालमपुर के हेली पोर्ट के निर्माण कार्य को शुरू करने में भी अढाई वर्ष का समय लगा दिया। भाजपा नेता ने कहा कि आज आधुनिक युग में सूचना के तंत्र पल-पल की जानकारी उपलब्ध करवाते रहते हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश पालमपुर के विधायक अभी भी लोगों को झूठ बोलकर यह गुमराह कर रहे हैं कि प्रदेश की सुक्खू सरकार ने पालमपुर हेली पोर्ट के लिए 18 करोड रुपए दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश की कंगाल सरकार में जलवाहक, आउट सोर्स कर्मचारी व दैनिक मजदूरों के 6-6 महीनों से वेतन देने के लिए पैसे नहीं है क्या वह सरकार पालमपुर के हेली पोर्ट के लिए 18 करोड रुपए देने की हिम्मत रखते हैं।

हिमाचल में भाजपा के स्थापना दिवस पर होगा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन : बिंदल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश छह अप्रैल को अपना स्थापना दिवस धूमधाम से मनाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने मंगलवार को बताया कि इस उपलक्ष्य पर सभी भाजपा कार्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसके उपरांत पार्टी का ध्वजारोहण किया जाएगा। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

डॉ. बिंदल ने कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने घरों पर परिवारजनों के साथ मिलकर पार्टी का झंडा फहराएगा। इसके अलावा सात अप्रैल से 13 अप्रैल तक बूथ चलो अभियान आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत प्रमुख कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर जाकर जनसंपर्क करेंगे।

सात और आठ अप्रैल को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के सक्रिय सदस्यों का विधानसभा स्तर पर सम्मेलन होगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हिमाचल प्रदेश भाजपा ने 18 लाख साधारण और 27 हजार सक्रिय सदस्य बनाए हैं, जो संगठन के विस्तार को दर्शाता है।

प्रदेश भाजपा द्वारा 13 अप्रैल की संध्या को प्रदेशभर में स्थापित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं की साफ-सफाई कर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। 14 अप्रैल को उनकी जयंती के अवसर पर प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाएगा और पुष्प अर्पित किए जाएंगे। इसके अलावा 14 अप्रैल से 25 अप्रैल के बीच प्रत्येक मंडल स्तर पर भी बाबा साहब की जयंती मनाने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

डॉ. बिंदल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी, जब श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी पार्टी के पहले अध्यक्ष बने थे। उन्होंने बताया कि 1951 में गठित जनसंघ, जिसे 1977 में जनता पार्टी में विलय कर दिया गया था, ने 1980 में भाजपा के रूप में नया स्वरूप प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा राष्ट्रवाद, अंत्योदय, भारत के सर्वांगीण विकास और भारतीय संस्कृति पर आधारित राष्ट्र निर्माण के सिद्धांतों पर काम करती आई है। यही कारण है कि यह पार्टी परिवारवाद से परे रहकर राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दो सांसदों से शुरू हुई भाजपा आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सत्ता में है और देश के आधे से अधिक राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं।

अगले कुछ दिनों तक आमतौर पर शुष्क मौसम रहने की संभावना

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कभी-कभार बर्फबारी के भी संकेत

मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने जम्मू और कश्मीर के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है जिसमें अगले कुछ दिनों तक आमतौर पर शुष्क मौसम रहने तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कभी-कभार बर्फबारी होने का संकेत दिया गया है।

पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिन (1-2 अप्रैल) मौसम शुष्क रहने की संभावना है, इसके बाद आमतौर पर बादल छाए रहेंगे तथा 3 अप्रैल को उत्तरी कश्मीर और सोनमर्ग-जोजिला अक्ष के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। 4-7 अप्रैल तक शुष्क मौसम जारी रहने की उम्मीद है तथा 8 अप्रैल को उत्तरी कश्मीर और सोनमर्ग के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी की संभावना है। हालांकि 9-10 अप्रैल से क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहने तथा कश्मीर संभाग में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश व बर्फबारी तथा जम्मू संभाग में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश व बर्फबारी की संभावना है।

मौसम केंद्र श्रीनगर ने यात्रियों, पर्यटकों तथा ट्रांसपोर्टरों को प्रशासनिक व यातायात अधिकारियों की सलाह का पालन करने को कहा है जबकि किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने कृषि कार्य जारी रखें।

क्रिप्टो करंसी ठगी मामला : पंजाब सरकार से अनुमति न मिलने के कारण मास्टर माइंड की संपत्ति नही हो पा रही सीज

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में 2500 करोड़ से अधिक की क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में मास्टर मांइड की पंजाब स्थित 50 करोड़ की संपत्ति पंजाब सरकार से अनुमति न मिलने के कारण सीज नहीं हो पा रही है। क्रिप्टो ठगी से मास्टर मांइड विजय कुमार जुनैजा ने पंजाब में 50 करोड़ की संपत्ति बनाई है। हिमाचल पुलिस विभाग ने अरोपी की उक्त संपति की मैपिंग करवा ली है। जिसके बाद पंजाब सरकार को बार-बार संपत्ति जब्त किए जाने को लेकर पत्र भी लिखे जा रहे हैं, बावजूद उनकी तरफ से हिमाचल पुलिस को अनुमति नहीं मिल पा रही है। पंजाब सरकार के इस उदासी के चलते मास्टर माइंड कांगड़ा की जेल में बंद होने के बावजूद जुनैजा अन्य चैनलों से अपनी संपत्तियों को बेचने की फिराक में है।

मिली जानकारी के अनुसार क्रिप्टो करंसी के बड़े ठग जुनैजा ने चंडीगढ़ में बिजनेस एरिया, खरड़ में आठ से अधिक 25-26 अपार्टमेंट वाली बिल्डिंग सहित अन्य 50 करोड़ से

अधिक संपत्ति बनाई हुई है। ऐसे में अब जल्द ही हिमाचल पुलिस को संपत्ति सीज करने की अनुमति नहीं मिलती है, तो आरोपी अन्य चैनलों से संपति को बेच भी सकता है। जबकि हिमाचल सहित पड़ोसी राज्यों के लोगों के अढाई हजार करोड़ के वापिस मिलने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। वहीं क्रिप्टो करंसी ठगी का मुख्य आरोपी मंडी का सुभाष अब तक हिमाचल पुलिस की गिरफ्त से दूर दुबई में ढेरा डाले हुए है। अब तक 77 के करीब कुल गिरफ्तारियां मामले में हो चुकी हैं, जबकि मुख्य सरगना सुभाष दुबई में आजाद घूम रहा है।

हिमाचल प्रदेश में क्रिप्टो करंसी ठगी मामले में अब तक मुख्य आरोपियों की 48 करोड़ से अधिक की प्रॉपर्टी सीज की जा चुकी है। अब तक पुलिस विभाग की एसआईटी मुख्य आरोपी विजय कुमार जुनेजा की 50 करोड़ की पंजाब में संपत्ति को सीज करने की पंजाब सरकार की ओर से अनुमति नहीं मिल पा रही है। जबकि ठगी की 2500 करोड़ रुपए की राशि का मुख्य सरगना मंडी के सुभाष भी हाथ नही आ पाया है। इसमें आरोपियों की ओर से हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, देश के अन्य राज्यों सहित दुबई तक में विभिन्न इन्वेस्टमेंट व संपत्तियां जोड़ने का खेल रचा है। इसमें हिमाचल के तीन मुख्य आरोपियों की हिमाचल-पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ में खरीदी गई संपत्तियों में 47 करोड़ की संपत्ति पहले ही सीज की जा चुकी है। एसआईटी को सूचना मिल रही है कि उक्त आरोपियों ने दुबई में भी संपत्तियां खरीदी हैं, तो उस संदर्भ में भी जांच को अब आगे बढ़ाया जा रहा है।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में करीब अढ़ाई वर्षों से क्रिप्टो करंसी ठगी का मामला चल रहा है। हिमाचल पुलिस एसआईटी की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी विजय जुनेजा क्रिप्टो करंसी ठगी के मास्टरमाइंड सुभाष, हेमराज, सुखदेव, अभिषेक का पैसे इन्वेस्ट करता था। क्रिप्टो ठगी रैकेट में आरोपितों ने प्रदेश में करीब एक लाख से अधिक लोगों को ठगा है। क्रिप्टो करंसी ठगी के मास्टर माइंड विजय जुनेजा के खिलाफ न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। इसके बाद आरोपी विजय जुनेजा ने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी जमानत के लिए आवेदन किया था। जमानत न मिलने के बाद आरोपी विजय जुनेजा ने शिमला सत्र न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था।

ऐसे आया था मामला सामने

क्रिप्टो कंरसी ठगी मामले में सबसे पहली एफआईआर जिला कांगड़ा के पालमपुर में दर्ज की गई थी, जिसमें जांच को लेकर स्पेशल इन्वेस्टेगेशन टीम का भी गठन किया गया है, जो कि हर पहलू की जांच पड़ताल कर रही है। अब तक उक्त क्रिप्टो ठगी मामले के तहत 77 लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। मामले में लंबे समय तक फरार रहकर दुबई में भगौड़े मुख्य आरोपी बताए जा रहे सुभाष शर्मा अब तक हाथ नहीं लग पाया है। हालांकि अब दूसरे मास्टर माइंड विजय कुमार जुनेजा हाथ लग चुका है। अब उक्त आरोपी की 50 करोड़ की पंजाब में संपति सीज करना हिमाचल पुलिस के लिए बिना अनुमति मुश्किल बना हुआ है। ठगी से जुड़े सभी आरोपियों के पासपोर्ट भी सीज किए हैं।

पंजाब से अनुमति मिलने पर संपत्ति होगी सीज : एसएसपी

एसएसपी कांगड़ा आईपीएस शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि क्रिप्टो कंरसी ठगी मामले में आरोपी विजय कुमार जुनैजा की चंडीगढ़ व खरड़ सहित अन्य क्षेत्रों में 50 करोड़ की संपति की मैपिंग की गई है। पंजाब सरकार से आरोपित की संपत्ति सीज करने की अनुमति मांगी गई है, जोकि अभी तक मिल नहीं पाई है। अनुमति मिलने पर संपत्ति फ्रीज व सीज कर अटैच की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले में सभी पहलूओं को लेकर लगातार एसआईटी की ओर से जांच की जा रही है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

सरकार व्यापार, उद्योग व कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा राज्य कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की तथा कोल्ड स्टोरेज मार्किट फीस प्रणाली को एकमुश्त से स्लैब आधारित संरचना में बदलने तथा उनकी भंडारण क्षमता के अनुसार स्लैब दर को कम करने के निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया। स्लैब आधारित एकमुश्त शुल्क प्रणाली के कार्यान्वयन तथा उनकी भंडारण क्षमता के अनुसार स्लैब दर को कम करने से छोटे और मध्यम कोल्ड स्टोरेज संचालकों को काफी राहत मिलेगी। नई प्रणाली के तहत, फीस उनकी भंडारण क्षमता के आधार पर होगी, जिससे न केवल छोटे संचालकों पर बोझ कम होगा, बल्कि नए निवेशकों और उद्यमियों को इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहन भी मिलेगा। गौरतलब है कि हरियाणा राज्य कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर एकमुश्त मार्किट फीस प्रणाली से आ रही कठिनाईयों से उन्हें अवगत करवाया था। मुख्यमंत्री ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बात को सहानुभूति पूर्वक सुना और जल्द से जल्द इस समस्या के समाधान करने का आश्वासन दिया था। मुख्यमंत्री ने मार्किट फीस प्रणाली को उद्योग की आवश्यकता के अनुसार संशोधित करके यह साबित कर दिया है कि उनकी सरकार व्यापार, उद्योग व कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने व्यापारिक नीतियों में पारदर्शिता और उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए है और यह भी उन्हीं निर्णयों में से एक है।

❍ एसोसिएशन ने कोल्ड स्टोरेज मार्किट फीस को एकमुश्त (स्लैब आधारित प्रणाली) पर बदलने तथा उनकी भंडारण क्षमता के अनुसार स्लैब दर को कम करने के लिए मुख्यमंत्री का किया आभार व्यक्त

कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के प्रधान व पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह निर्णय उनकी व्यापार एवं कृषि हितैषी सोच को दशार्ता है। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से ना केवल छोटे एवं मध्यम स्तर के कोल्ड स्टोरेज संचालकों को राहत मिलेगी, बल्कि पूरे प्रदेश में कोल्ड स्टोरेज सेवाओं का विस्तार भी होगा। इससे किसानों को अपनी फसलों के भण्डारण की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी, जिसके परिणाम स्वरूप कृषि क्षेत्र को ओर ज्यादा मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक श्री मुकेश कुमार आहुजा, बोर्ड के सीएमईओ श्री सुनील शर्मा, एसोसिएशन के प्रधान श्री बलदेव राज सेठी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

लाडवा राजकीय अस्पताल में अब महिला वार्ड में नियुक्त की दो महिला विशेषज्ञ चिकित्सक:सुखबीर सिंह

अनिल गोयल
लाडवा

❍ लाडवा में 8 करोड़ रुपए की लागत से स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया जा रहा है विकास कार्य

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों के अगले दिन ही लाडवा राजकीय अस्पताल के महिला वार्ड में स्वास्थ्य की जांच करने के लिए 2 महिला विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक एवं जिला सिविल सर्जन डा.सुखबीर सिंह ने विशेष बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों की तुरंत पालना करते हुए लाडवा राजकीय अस्पताल के महिला वार्ड में 2 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति कर दी गई है। जिस में डा. विरेन्द्र कौर की डयूटी 2 दिन के लिए और इसी तरह एलएनजेपी अस्पताल कुरुक्षेत्र से डा. अभिलाषा की ड्यूटी लगा दी गई है। यह अस्पताल निश्चित ही लाडवा का सबसे सुविधाजनक और अच्छे स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में अपनी एक पहचान बनाएंगा।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्र गुढा से मिल रही शिकायतों के आधार पर भी जांच की गई है और जहां-जहां भी कमी पाई गई उसे दुरुस्त कर दिया गया है। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्मचारियों को सख्त आदेश दिए गए है कि डयूटी के समय किसी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। जहां भी चैकिंग के दौरान कोई दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार लाडवा हल्का में मरीजों की सुविधा अनुसार तमाम सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएगी, कहीं भी किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

सीएमओ डा. सुखबीर सिंह ने कहा कि लाडवा हल्का के गांव बरोट में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण पर सरकार की तरफ से करीब 3 करोड़ 70 लाख का बजट खर्च किया जा रहा है। इस स्वास्थ्य केन्द्र में उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। सीएमओ सुखबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार लाडवा अस्पताल में जल्द ही एफ.आर.यू. (फर्स्ट रैफरल यूनिट) की सुविधा उपलब्ध होगी। इस यूनिट में 3 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए लाडवा में गायनी के चिकित्सक भी नियुक्त करने के आदेश दिए है। सीएमओ ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार गांव बन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करने के लिए विशेष शिविर भी लगाएगें।

पात्र लोग उठायें सरकारी योजनाओं का लाभ: हरविन्द्र कल्याण

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिये। शिक्षित लोगों को अनपढ़ व गरीबों की फार्म भरने इत्यादि में मदद करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए वचनबद्ध है। हरविन्द्र कल्याण आज जिला करनाल के घरौंडा हलका के सोहाना, शेखपुरा जागीर, नगला फार्म और नगला मेघा गांवों आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे।

कल्याण ने गांवों में लोगों की समस्यायें सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटान के निर्देश दिये। उन्होंने सुहाना से नदी पुल तक बनने वाली करीब 700 मीटर लंबी सडक के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कुटैल में दीन दयाल उपाध्याय मेडिकल यूनिवर्सिटी इसी साल शुरू हो जायेगी। भविष्य में इसका चरणबद्ध तरीके से विकास किया जाएगा इस यूनिवर्सिटी से उत्तरी भारत के साथ-साथ पश्चिमी यूपी के लोगों को भी लाभ मिलेगा। यहां बड़े अस्पताल खुलने से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार का नारा है-सबका साथ, सबका विकास। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सामूहिक विकास की सोच को आगे बढ़ा रहे हैं जो भी मांग उनके सामने रखी जाती है उसे वे गंभीरता से लेते हैं।

कल्याण ने कहा कि महिलाओं की आय बढ़ाने के लिये सरकार स्वयं सहायता समूहों को मजबूत कर रही है। ऐसे कदमों से समाज को भी मजबूती मिलती है। सुधार के नतीजे कुछ समय बाद देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि आज नौकरियां मेरिट पर दी जा रही हैं। इससे युवाओं का रूझान पढ़ाई की तरफ बढ़ा है। बुढ़ापा पेंशन सीधे बुजुर्गों के खाते में जा रही है।

पवन गर्ग ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हल्का लाडवा के प्रति सकारात्मक सोच को किया नमन

संवाददाता
लाडवा

❍ मुख्यमंत्री द्वारा लाडवा क्षेत्र में युवाओं के लिए खेल स्टेडियम का निर्माण एक महत्त्वपूर्ण कदम : पवन गर्ग

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पवन गर्ग ने 30 मार्च को हल्का लाडवा के ग्राम्यांचल में स्थित इन्दिरा गांधी नेशनल कॉलेज, लाडवा में आयोजित प्रशासनिक स्तर की ऐतिहासिक बैठक के आयोजन पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का तहे दिल से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस बैठक के लिए कॉलेज का चयन न केवल सभी नगरवासियों बल्कि कॉलेज परिवार के लिए भी गर्व का विषय है। यह लाडवा क्षेत्र के विकास में एक नई दिशा को दशार्येगा। वरिष्ठ नेता पवन गर्ग ने मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लाडवा क्षेत्र में युवाओं के लिए खेल स्टेडियम का निर्माण एक महत्त्वपूर्ण कदम है। गांव धनौरा में प्रस्तावित इस खेल स्टेडियम के बन जाने से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और उत्साह बढ़ेगा, साथ ही उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आगे बढ़ने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री जी द्वारा किए गए अन्य घोषणाओं में एक अत्याधुनिक तीन मंजिला विश्राम गृह का निर्माण भी शामिल है, जो पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसके साथ ही लाडवा में 70 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल बनाने की भी घोषणा की गई है। जो भविष्य में महत्वपूर्ण बैठकों और आयोजनों का केंद्र बनेगा। लाडवा के अम्बेडकर चौक से कुरुक्षेत्र तक की सड़क पर फैंसी लाइटिंग का कार्य जल्द ही पूरा किया जाएगा। जिससे क्षेत्र की सुंदरता और सुरक्षा दोनों में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, लाडवा बाईपास के निर्माण से शहरवासियों को यातायात की समस्याओं से निजात मिलेगी, जिससे यातायात की व्यवस्था और भी बेहतर हो सकेगी। पवन गर्ग ने मुख्यमंत्री जी द्वारा पारित घोषणाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी हमेशा लोगों के स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहे हैं। उन्होंने लाडवा में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाने की घोषणा की है, जिससे स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में सुधार होगा और उनका जीवन स्तर बेहतर होगा। गर्ग ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी लाडवा को अपना घर मानकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यलोगों ने जो विश्वास उन पर जताया है, उसे बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री जी पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं।ह्ल उनका यह कार्य जनता के हित में लगातार विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। अंत में, पवन गर्ग ने सभी नगरवासियों की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया और उनके नेतृत्व में लाडवा के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

सरकार को अपने वायदे के अनुसार गेंहू व सरसों की खरीद उठान व भुगतान समय पर करना चाहिए: बजरंग गर्ग

संवाददाता
लाडवा

❍ सरसों व गेंहू खरीद में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने आढ़ती, किसान व मिलरों से बातचीत करने के उपरांत कहा कि गेंहू की सरकारी खरीद 1 अप्रैल से शुरू होने के बावजूद भी मंडियों में किसी प्रकार की मूलभूत सुविधा तक नही है। हरियाणा में गेंहू के लिए बारदाना व गेहूं उठान का टैंडर तक सरकार ने नही दिए है। ऐसे में प्रदेश में कैसे गेंहू की खरीद व उठान होगा। सरकार के पास गेंहू को गोदामों में लगाने के लिए पुख्ता प्रबंध तक नही है। सरकार के गेंहू व सरसों खरीद के सभी दावे पुरी तरह से फेल सिद्ध हुए है। बजरंग गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार कहते है कि किसान की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा जबकि सच्चाई कोसो दूर है। किसान अपनी सरसों एमएसपी पर बेचने के लिए मंडियों मे धक्के खा रहे है। सरकार की तरफ से सरसों व गेंहू खरीद के उठान के लिए कोई भी पुख्ता प्रबंध ना होने से आढ़ती व किसानों में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को अपने व्यादे के अनुसार गेंहू व सरसों की खरीद, उठान व भुगतान समय पर करना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरसों व गेंहू खरीद में लापरवाही करने वालों अधिकारियों के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। सरकारी अधिकारी पैसे खाने के चक्कर में अनाज खरीद व उठान में जानबूझकर कर देरी करते है। सरकारी अधिकारी अनाज खरीद व उठान के नाम पर खुलेआम पैसें ले रहे है। जिसके कारण अनाज खरीद व उठान में देरी हो रही है। श्री गर्ग ने कहा कि सरकार को गेंहू, सरसों खरीद, उठान के साथ-साथ हर प्रकार की मूलभूत सुविधा की तरफ ध्यान देना चाहिए ताकि किसान, आढ़ती व मजदूरों को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। सरकार को गेंहू व सरसों खरीद का उठान 36 घंटे के अंदर-अंदर करना चाहिए ताकि किसानों को अनाज बेचने में दिक्कत ना आए।

अप्रैल महीने में पदोन्नत कर शिक्षकों को दे दिए जाएंगे सेंटर: महीपाल ढांडा

संवाददाता
चंडीगढ़

❍ मई के प्रथम सप्ताह में अलग-अलग चरणों में सभी तरह के टीचरों का ट्रांसफर ड्राइव शुरू कर-के जुलाई में सभी को उनके स्टेशन पर करवा दिया जाएगा ज्वाइन

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में और सुधार लाना है। इसी कड़ी में अप्रैल 2025 में पीआरटी से टीजीटी, टीजीटी से पीजीटी, पीजीटी से प्रिंसिपल, प्रिंसिपल से बीईओ, बीईओ से डिप्टी डीईओ और डिप्टी डीईओ से डीईओ की प्रमोशन कर दी जाएगी। अप्रैल महीने में ही सभी नवनियुक्त व प्रमोशन पाने वाले शिक्षकों को उनके स्टेशन दे दिए जाएंगे।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा आज सिविल सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखकर पीआरटी, टीजीटी व पीजीटी की पोस्टों का रेशनेलाइजेशन कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मई के प्रथम सप्ताह में अलग-अलग चरणों में सभी तरह के टीचरों का ट्रांसफर ड्राइव शुरू करके जुलाई में सभी को उनके नए स्टेशन पर ज्वाइन करवा दिया जाएगा, ताकि बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चलती रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की बजट भाषण में की कई गई घोषणा के मद्देनजर हर 10 किलोमीटर के दायरे में एक नया मॉडल संस्कृति स्कूल खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को और बेहतर शिक्षा मिल सके।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का विजन है कि राजकीय स्कूलों में बच्चों के लिए ई-पुस्तकालय हों। इसी को ध्यान में रखकर 193 राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों एवं 250 पीएम श्री विद्यालयों में ई-पुस्तकालय खोले जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बच्चे स्कूलों में सुरक्षित महसूस करें। इसलिए प्रदेश के 1497 राजकीय स्कूलों में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। बैठक में हरियाणा स्कूल एजुकेशन के प्रिंसिपल सेक्रेटरी श्री पंकज अग्रवाल, एलीमेंट्री एजुकेशन के डायरेक्टर श्री विवेक अग्रवाल और सेकेंडरी एजुकेशन के डायरेक्टर श्री जितेंद्र दहिया मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

विद्यालय में नए छात्रों के आगमन पर हवन यज्ञ कर मनाया प्रवेश उत्सव

बराड़ा। राजकीय प्राथमिक विद्यालय और रा.मा.वी. फोक्सा में हवन यज्ञ कर नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत की गई। विद्यालय के मुख्य अध्यापक संजीव कुमार द्वारा विद्यालय में आए नए बच्चों का फूल मालाएं और तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा बच्चों के साथ हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ के सदस्य मुकेश कुमार, राजिंदर कुमार, अवतार सिंह, अशोक कुमार, बलराम, राजेश कुमार तथा एसएमसी सदस्य उपस्थित रहे। इस मौके पर यह मौजूद सभी सदस्यों ने सरकारी विद्यालय में अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला करवाने का संकल्प लिया ताकि कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे।

दस गुरुओं में से नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी को की पुष्पांजलि अर्पित

लाडवा। संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनोरा-लाडवा के स्कूल प्रबंधन, प्रिंसिपल और शिक्षकों द्वारा 1 अप्रैल को दस गुरुओं में से नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर को पुष्पांजलि अर्पित की गई। स्कूल के अध्यक्ष पवन गर्ग, सचिव रविन्द्र बंसल, सह- सचिव नरेंद्र सिंघल, प्रिंसिपल नरेंद्र शर्मा और शिक्षकों ने दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और श्रद्धा व्यक्त की। विद्यालय के अध्यक्ष पवन गर्ग ने कहा कि वे एक सिद्धांतवादी और निडर योद्धा थे।

ग्लोब हेरिटेज में हवन के साथ शैक्षणिक सत्र का प्रारम्भ

लाडवा। ग्लोब हेरिटेज इंटरनेशनल स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर हवन का आयोजन किया गया। स्कूल की प्रधानाचार्या रितु सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल परिसर में हवन के साथ नए शैक्षणिक सत्र का प्रारम्भ हुआ जिसमें आर्य समाज से आये हुए विद्वान विक्रम आचार्य द्वारा विधि विधान से मन्त्रों के साथ स्कूल स्टाफ व बच्चों से हवन कराया गया और भगवान से सभी के लिए सद्बुद्धि की कामना की गयी। शैक्षणिक सत्र शुभारम्भ के इस अवसर पर सभी बच्चों द्वारा स्टाफ सहित हवन की आहुतियां डाली गयी व स्कूल प्रबंधक समिति सहित सभी स्टाफ सदस्यों द्वारा बच्चों पर आशीर्वाद स्वरुप पुष्प वर्षा की गयी। स्कूल प्रबंधक समिति की प्रधान रंजना गोयल ने नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनायें व आशीर्वाद देते हुए कहा कि शिक्षा हमारे जीवन का एक ऐसा अंग है जो व्यक्ति को न केवल ज्ञान, कौशल व मनोदृष्टि प्रदान करती ही है बल्कि मानसिक, शारीरिक, आध्यात्मिक व बौद्धिक विकास भी करती है और हर इंसान को सकारात्मक रूप से समाज में उन्नति की और ले जाती है। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक समिति के महासचिव संजीव अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, अमित सिंघल, राजेश सरदाना, निधि गोयल, सुमन शर्मा, मोनिका अरोड़ा व सपना ने भी बच्चों को शुभकामनायें दी।

बरोट के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम घोषित

लाड़वा। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरोट में परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई तथा प्रवेश उत्सव मनाया गया। मेधावी छात्र- छात्राओं को मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया गया। स्कूल नीलम सैनी ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी तथा नए छात्रों का स्वागत किया। समाजसेवी, एस एम सी सदस्य व सरपंच प्रतिनिधि रोशन लाल ने मेधावी बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा पुरस्कृत किया। रोशन लाल जी ने स्कूल में क्रियान्वित की गई परिवहन सेवा डिजिटल कक्षा कक्षा, सुन्दर प्रांगण, विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों का राज्य व जिला स्तर पर स्थान व भागीदारी की प्रशंसा की। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे तथा दाखिला अभियान व प्रवेश उत्सव हेतु घर-घर संपर्क अभियान भी चलाया गया।

आह्वान

राज्य में 'ब्लू रेवोल्यूशन' को बढ़ावा देने का आह्वान

जलभराव वाले क्षेत्रों के पानी का उपयोग मछली पालन और झींगा उत्पादन के लिए करें : कृषि मंत्री

संवाददाता
चंडीगढ़

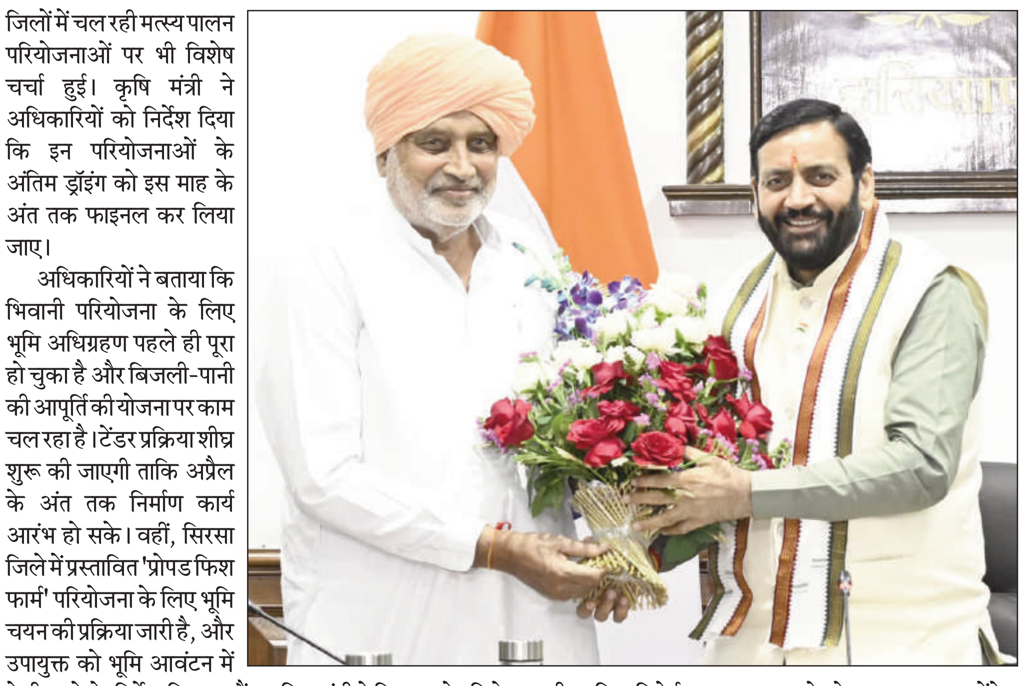

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों के पानी का उपयोग मछली पालन और झींगा उत्पादन के लिए किया जा सकता है, जिससे राज्य में 'ब्लू रेवोल्यूशन' को बढ़ावा मिलेगा। कृषि मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण, तथा मत्स्य विभाग के अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने मत्स्य पालन और कृषि विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया और अधिकारियों से पहले चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने को कहा। उन्होंने वैश्विक स्तर पर मछली पालन को बढ़ावा देकर किसानों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत तलाशने की आवश्यकता जताई।

इस अवसर पर भिवानी और सिरसा जिलों में चल रही मत्स्य पालन परियोजनाओं पर भी विशेष चर्चा हुई। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन परियोजनाओं के अंतिम ड्रॉइंग को इस माह के अंत तक फाइनल कर लिया जाए।

अधिकारियों ने बताया कि भिवानी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण पहले ही पूरा हो चुका है और बिजली-पानी की आपूर्ति की योजना पर काम चल रहा है। टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी ताकि अप्रैल के अंत तक निर्माण कार्य आरंभ हो सके। वहीं, सिरसा जिले में प्रस्तावित 'प्रोपड फिश फार्म' परियोजना के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया जारी है, और उपायुक्त को भूमि आवंटन में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि मंत्री ने विभाग को परियोजना की प्रगति रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने को कहा।

उन्होंने मत्स्य पालन, कृषि और मृदा संरक्षण विभागों के बीच संयुक्त बैठक आयोजित करने पर जोर दिया ताकि जल संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों के पानी का उपयोग मछली पालन और झींगा उत्पादन के लिए किया जा सकता है, जिससे राज्य में 'ब्लू रेवोल्यूशन' को बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा, मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अतिरिक्त खारे पानी वाले क्षेत्रों की पहचान कर मत्स्य पालन के लिए परियोजनाएं तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि जून के बाद सरकार एक लाख एकड़ खारे भूमि को उपजाऊ बनाने की योजना पर काम कर रही है।

उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्रीय दौरे करने और ट्यूबवेल संचालन की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार मछली पालन के लिए प्रति हेक्टेयर 14 लाख रुपये की सब्सिडी दे रही है। वे पात्र किसानों को इस योजना से जोड़ने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं।

कृषि विभाग के अधिकारियों को स्थापित ट्यूबवेल की सूची तैयार करने और किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने का भी निर्देश दिया गया। इस बैठक में उपस्थित क्रैशी एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजशेखर वुंडरू ने आश्वासन दिया कि खारे पानी के संसाधनों के उपयोग के लिए विभागीय समन्वय को प्राथमिकता दी जाएगी।

संपादकीय

न्यायिक स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच संतुलन की अहम कड़ी!

जी हां भारत का संवैधानिक ढांचा न्यायपालिका को स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच संतुलन स्थापित करने का अधिकार देता है। यह स्वतंत्रता शासन के अन्य दो अंगों–विधायिका और कार्यपालिका–से न्यायपालिका को स्वायत्त रखने के लिए आवश्यक भी है। मगर न्यायपालिका को पूरी तरह निरंकुश नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है कि न्यायिक व्यवस्था पारदर्शी, जवाबदेह और निष्पक्ष बनी रहे। हाल ही में न्यायिक आचरण को लेकर उठे विवादों ने इस विषय को पुनः चर्चा में ला दिया है। आइये बात करते हैं भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच मौजूद जटिल संबंधों, उनसे जुड़ी चुनौतियों और सुधार की संभावनाओं का विस्तृत विश्लेषण पर। यह सच है कि संविधान ने न्यायपालिका को स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए कई प्रावधान किए हैं। ये प्रावधान न्यायपालिका की निष्पक्षता और स्वायत्तता सुनिश्चित करते हैं, जिससे न्यायाधीश बाहरी दबाव से मुक्त रहकर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच स्पष्ट रूप से शक्तियों का विभाजन किया गया है। यह न्यायपालिका की स्वायत्तता बनाए रखने के लिए आवश्यक है ताकि कोई भी अन्य अंग इसके कार्यों में हस्तक्षेप न कर सके। अनुच्छेद 124 और 217 के तहत, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को निश्चित कार्यकाल की सुरक्षा दी गई है। उन्हें मनमाने तरीके से हटाया नहीं जा सकता, जिससे वे दबावमुक्त होकर निर्णय ले सकें। अनुच्छेद 125 और 221 के तहत, न्यायाधीशों के वेतन और सेवा शर्तों में कोई मनमाना परिवर्तन नहीं किया जा सकता। यह उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्य करने में मदद करता है। अनुच्छेद 124(4) और 217(1)(बी) के तहत, किसी न्यायाधीश को केवल महाभियोग के माध्यम से ही हटाया जा सकता है। इस प्रक्रिया को इतना कठिन बनाया गया है कि न्यायपालिका राजनीतिक दबाव से मुक्त रह सके। अनुच्छेद 32 और 226 के तहत, न्यायपालिका को न्यायिक समीक्षा का अधिकार प्राप्त है, जिससे वह सरकार के किसी भी असंवैधानिक निर्णय को निरस्त कर सकती है। यह न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक बनाता है। अनुच्छेद 121 के तहत, संसद में न्यायाधीशों के कार्यों पर चर्चा नहीं की जा सकती, जब तक कि मामला महाभियोग से संबंधित न हो। अनुच्छेद 129 और 215 न्यायालयों को अवमानना के मामलों में दंड देने का अधिकार प्रदान करते हैं, जिससे न्यायिक आदेशों की प्रभावशीलता बनी रहती है। अनुच्छेद 124(7) के तहत, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सेवानिवृत्ति के बाद किसी भी अदालत में वकालत नहीं कर सकते। आइये बात करते हैं कॉलेजियम प्रणाली के बारे में। न्यायाधीशों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वायत्तता बनाए रखने के लिए कॉलेजियम प्रणाली लागू की गई है। हालांकि, इसमें पारदर्शिता की कमी को लेकर विवाद भी हैं। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के लिए एक आचार संहिता बनाई गई है, जिसमें नैतिकता और निष्पक्षता को बनाए रखने पर जोर दिया गया है। न्यायिक स्वतंत्रता से संबंधित कई प्रमुख चुनौतियाँ होती हैं। कॉलेजियम प्रणाली में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी नहीं है। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को लागू करने का प्रयास असफल रहा, जिससे न्यायपालिका में जवाबदेही बढ़ाने का अवसर खो गया। कई मामलों में 'अंकल जज सिंड्रोम' देखने को मिलता है, जिससे योग्यता के बजाय संबंधों के आधार पर पदोन्नति का आरोप लगता है। फरवरी 2025 तक, सर्वोच्च न्यायालय में 80,982 मामले लंबित थे। मुकदमों के निपटारे में होने वाली देरी से न्याय की धारणा प्रभावित होती है। नवंबर 2024 में, सरकार ने सूचित किया कि देश में 5,600 से अधिक न्यायिक पद खाली हैं। न्यायिक नियुक्तियों में देरी से लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जाती है। ज़िला और अधीनस्थ न्यायालयों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल 45% न्यायालयों में इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कई बार न्यायपालिका कार्यपालिका और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करती है। हाल के वर्षों में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर दिए गए फैसले को न्यायिक अतिक्रमण का उदाहरण माना गया। न्यायाधीशों के स्थानांतरण के मामले न्यायपालिका की स्वायत्तता पर सवाल उठाते हैं। कई मामलों में कार्यपालिका पर न्यायिक स्वतंत्रता को प्रभावित करने के आरोप लगे हैं। न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोप भी सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं। जेल सांख्यिकी भारत-2022 के अनुसार, 75.8% कैदी विचाराधीन हैं। यह दर्शाता है कि कानूनी सहायता की कमी के कारण गरीब और हाशिए के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और मुकदमों की उच्च लागत न्याय को गरीबों की पहुँच से दूर कर देती है। न्यायिक सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं जैसे डिजिटल न्यायपालिका को बढ़ावा देने के लिए ई-कोर्ट परियोजना चलाई जा रही है। महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए 754 फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई गई हैं। मध्यस्थता और लोक अदालतों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे मुकदमों का बोझ कम किया जा सके। न्यायाधीशों के लिए लैंगिक संवेदीकरण और मानवाधिकार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। न्यायपालिका में सुधार के लिए कई सुझाव हैं इनमें न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता- एन जे ए सी जैसे तंत्र को पुनर्जीवित किया जाना चाहिए। न्यायपालिका में रिक्त पदों को तेजी से भरा जाना चाहिए। ई-कोर्ट और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। मध्यस्थता और लोक अदालतों का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए। एक स्वतंत्र न्यायिक शिकायत आयोग का गठन किया जाना चाहिए। अंत में कह सकते हैं कि भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता आवश्यक है, लेकिन इसकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। पारदर्शिता, दक्षता और नैतिकता को बनाए रखते हुए न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में सुधार आवश्यक हैं।

आज का राशिफल

मेष: दिन की शुरूआत कुछ चुनौतियों के साथ हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखने का प्रयास करें। कार्यस्थल पर सहयोगियों के साथ मधुर संबंध बनाए रखें। सिरदर्द के कारण एकाग्रता में कमी आ सकती है। व्यवसाय में कोई बड़ा जोखिम लेने से बचें। दोपहर के बाद स्थिति बेहतर महसूस होगी।

वृषभ: परिवार में किसी शुभ आयोजन की संभावना है। प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों को सफलता मिल सकती है। आज आपको महंगे उपहार मिलने के योग हैं। साहित्य, सिनेमा और कला से जुड़ी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। उधार दिया गया धन वापस मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

मिथुन: आत्मविश्वास में थोड़ी कमी महसूस हो सकती है। बदलते मौसम के कारण स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। खरीदारी करते समय बजट का ध्यान रखें। कोई महत्वपूर्ण कार्य अचानक रुक सकता है। भावनाओं पर नियंत्रण बनाए रखें। लंबी यात्राओं से बचने की सलाह दी जाती है।

कर्क: सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आयात-निर्यात के क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी। अटके हुए धन की वापसी संभव है। अपनी क्षमताओं को निखारने का प्रयास करें। व्यापार में आगे बढ़ने के लिए कुछ जोखिम उठाना फायदेमंद हो सकता है।

सिंह: मित्रों के साथ समय बिताकर खुशी मिलेगी। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभकारी रहेगा। प्रेम संबंधों को लेकर भावुकता अधिक रहेगी। मनोरंजन से भरपूर दिन बीतेगा। शोध कार्यों में सफलता मिलेगी। वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखें।

कन्या: भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। व्यापार में आर्थिक लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ अच्छा व्यवहार रखें। जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद साबित होगी। कृषि से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ होने की संभावना है।

तुला: परिवार में किसी मुद्दे को लेकर विवाद हो सकता है। नए व्यवसाय को लेकर योजनाएं बना सकते हैं। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा कार्य प्रभावित हो सकते हैं। बच्चों की पढ़ाई को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है।

वृश्चिक: दिन की शुरूआत शुभ रहेगी। योजनाओं में अनावश्यक बदलाव करने से बचें। भरोसेमंद लोगों के साथ अच्छा संबंध बनाए रखें। कार्यस्थल पर काम का दबाव बढ़ सकता है। जोड़ों और घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है। जीवनसाथी की राय को महत्व दें।

धनु: व्यवसाय को लेकर बनाई गई योजनाओं को कार्यान्वित करने का अनुकूल समय है। कानूनी मामलों में सफलता मिल सकती है। अनैतिक संबंधों से बचें। रुका हुआ काम आज पूरा होने की संभावना है। व्यापार में सहयोगियों से अच्छा समर्थन प्राप्त होगा।

मकर: व्यापार का विस्तार करने की योजना बना सकते हैं। मनपसंद कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यदि किसी नौकरी के साक्षात्कार में भाग ले रहे हैं, तो सफलता मिलने के संकेत हैं। प्रियजनों के साथ समय बिताकर मानसिक शांति मिलेगी। यात्रा की योजना बना सकते हैं।

कुंभ: आज का दिन मनोरंजन से भरा रहेगा। विद्यार्थी पढ़ाई पर अधिक ध्यान देंगे। कोई महत्वपूर्ण व्यावसायिक बैठक हो सकती है। संतान की उपलब्धियों की सराहना करें। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। झूठ बोलने से बचें, अन्यथा प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है।

मीन: घर में मेहमानों का आना-जाना बना रहेगा। दोपहर बाद किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। नया वाहन खरीदने पर विचार कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े व्यवसाय में लाभ के योग हैं।

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा (हि.स.)

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति-देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है। नवरात्रि एक प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनों के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते हैं। भारत में नवरात्रि अलग-अलग राज्यों में विभिन्न तरीकों और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती है। यह हमें बताती है कि इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है कि पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्हीं में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी-समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवें दिन एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन नौ लड़कियों की पूजा होती है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा के अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। ये दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते हैं। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की होती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुतः नवरात्र अंतःशुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

वक्फ बोर्ड भूमि घोटाले में मुख्य पीड़ित बने मुसलमान

हर्ष रंजन, वरिष्ठ पत्रकार

वक्फ संपत्तियों का आकार

देश में सेना और रेलवे के बाद तीसरी सबसे बड़ी भूमि वक्फ की है। भारतीय वक्फ संपत्ति प्रबंधन प्रणाली (वामसी) पोर्टल के मुताबिक भारत में वक्फ संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 37.39 लाख एकड़ से अधिक है। भारत में 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं, जिनमें से 32 वक्फ बोर्ड विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम करते हैं। कुल 8,72,802 वक्फ संपत्तियों के साथ, भारत में वक्फ संपत्तियों का आकार बहुत बड़ा है। इसके अलावा, 4,02,089 'वक्फ बाय यूजर' हैं, लेकिन उनके लिए कोई उचित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। इतनी बड़ी संपत्ति होने के बावजूद, केवल 1,088 वक्फ डीड पंजीकृत की गई हैं और 26,676 निजी वक्फ (वक्फ अल औलाद) संपत्तियां हैं।

भारत में वक्फ का इतिहास और वर्तमान संकट

भारत में वक्फ संपत्तियों का प्रशासन कई विधायी परिवर्तनों के माध्यम से विकसित हुआ है, जिसका उद्देश्य प्रशासन में सुधार और कुप्रबंधन को रोकना है। 1894 में प्रिवी काउंसिल के आदेश के बाद से, मुस्लिम वक्फ अधिनियम संशोधन (1913, 1923, 1930), वक्फ अधिनियम 1954 और इसके बाद हुए संशोधनों सहित विभिन्न कानूनों ने वक्फ प्रशासन को आकार दिया है। वक्फ अधिनियम, 1995 ने विनियामक तंत्र को और मजबूत किया, जिसमें 2013 में एक प्रमुख संशोधन ने इसके दायरे का विस्तार किया।

इतना शानदार इतिहास होने के बावजूद, भारत में वक्फ बोर्ड अनियमितताओं और कुप्रबंधन के आरोपों में घिरे हुए हैं। रिपोर्ट बताती हैं कि कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हुए वक्फ संपत्तियों को अक्सर अवैध रूप से बेचा जाता है या निजी संस्थाओं को औने-पौने दामों पर पट्टे पर दे दिया जाता है। बड़े पैमाने पर हुए इस भ्रष्टाचार ने मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ती अशांति को जन्म दिया है क्योंकि अतिक्रमण, अवैध भूमि लेनदेन और कानूनी विवादों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हालांकि, भले ही इस समस्या को व्यापक रूप से पहचाना जाता है, लेकिनअधिकांश समुदाय के सदस्य सामाजिक प्रतिक्रिया और साथियों के दबाव के डर से बोलने से बचते हैं।

बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और कानूनी विवाद

वक्फ संपत्तियों के एक बड़े हिस्से पर अतिक्रमण है, जिस कारण कई कानूनी लड़ाइयां हो रही हैं। वामसी पोर्टल के अनुसार, वर्तमान में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के 58,890 मामले हैं। वक्फ संपत्तियों से संबंधित कुल मुकदमेबाजी के मामलों की संख्या 31,999 है, जिनमें से 16,140 मामले विशेष रूप से अतिक्रमण से संबंधित हैं। इनमें से 3,165 मामले मुस्लिम याचिकाकताओं द्वारा दायर किए गए हैं। मुस्लिम समुदाय के कई लोगों का मानना है कि वक्फ बोर्डों में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के चलते भ्रष्ट अधिकारियों और निहित स्वार्थी लोगों के लिए इन संपत्तियों का दोहन करना संभव हुआ है, जिससे समुदाय को उसके सही संसाधनों से वंचित किया जा रहा है।

बोलने का डर और आंतरिक संघर्ष

इस मुद्दे ने समुदाय के भीतर आंतरिक कलह को जन्म दिया है क्योंकि लोगों को तेजी से एहसास हो रहा है कि वक्फ संपत्तियों का कुप्रबंधन मुख्य रूप से मुसलमानों को नुकसान पहुंचाता है। हालांकि, सामाजिक दबावों के कारण खुलकर आलोचना करना दुर्लभ है। कई सामाजिक कार्यकताओं, प्रमुख मुस्लिम हस्तियों, शिक्षाविदों और विचारकों ने वक्फ कानून सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर बढ़ती लेकिन अव्यक्त आम सहमति को उजागर किया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कई समुदाय के प्रभावी लोग धार्मिक और राजनीतिक समूहों से प्रतिक्रियाओं के डर से इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने में हिचकते हैं।

पूरे भारत में मुकदमेबाजी और शिकायतें

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण के बारे में कई शिकायतें और अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। इन अतिक्रमणों का पैमाना खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, जिसमें अक्सर वक्फ बोर्ड की प्रत्यक्ष संलिप्तता होती है। विभिन्न शहरों में कई मामले संकट की सीमा को उजागर करते हैं:

भोपाल में सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक वक्फ कॉम्प्लेक्स बनाया गया था और 125 पंजीकृत कब्रिस्तानों में से 101 रहस्यमय तरीके से गायब हो गए हैं। हैदराबाद में अकेले 2021 में अतिक्रमणकारियों को 765 नोटिस जारी किए गए, जबकि भारत के सबसे अमीर लोगों में से एक तेलंगाना के वक्फ बोर्ड के पास 5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, फिर भी इसकी 75% जमीन पर अतिक्रमण है। मुंबई में, महाराष्ट्र की 60% से अधिक वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, परेल में मूल रूप से 72 एकड़ में फैली लाल शाह बाबा दरगाह, अब वक्फ भूमि पर बने आवासीय टावरों से घिरी हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया है कि लखनऊ में वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई 78% भूमि वास्तव में सरकारी स्वामित्व वाली है और 1989 के सरकारी आदेश को रद्द कर दिया गया है, जिसने अवैध रूप से गैर-खेती योग्य भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में पंजीकृत किया था। पटना में, बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने हिंदू बहुल गांव गोविंदपुर, फतुहा में भूमि के स्वामित्व का दावा करते हुए एक नोटिस जारी किया, जिससे सात हिंदू परिवार प्रभावित हुए।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 सुधार प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके माध्यम से मुसलमानों के साथ अन्याय करने का दावा भ्रामक है, क्योंकि इसका एकमात्र उद्देश्य समुदाय के लाभ के लिए बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है। मुस्लिम बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि सामुदायिक संपत्तियों के आगे दुरुपयोग को रोकने के लिए वक्फ बोर्डों को पूरी तरह से बदलना चाहिए। कुछ लोगों का सुझाव है कि वक्फ संपत्तियों को सख्त सरकारी निगरानी के तहत लाया जाना चाहिए, जिसमें निर्णय लेने में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने वाले तंत्र हों। वक्फ मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता है, क्योंकि सामुदायिक कल्याण के लिए बनाई गई संपत्तियां भ्रष्टाचार और व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं बननी चाहिए।

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 की मुख्य विशेषताएं

वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को वक्फ संपत्तियों से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान के रूप में सराहा जा रहा है। इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्डों के भीतर प्रशासनिक अक्षमताओं को दूर करना है। सबसे बड़ी समस्याओं में से एक रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना और उन्हें वामसी पोर्टल पर अपलोड करने में विफलता रही है। संशोधन में यह अनिवार्य किया गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर ऑनलाइन पंजीकृत किया जाए, ताकि अधिक पारदर्शिता और पहुंच में आसानी सुनिश्चित हो सके।

सरकार का होमवर्क और परामर्श

सरकार ने पिछले आठ वर्षों में मुस्लिम समुदाय के साथ व्यापक परामर्श किया है, जिसमें वक्फ से संबंधित मुद्दों और संभावित सुधारों पर देशव्यापी चचाएं शामिल हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पर एक संयुक्त समिति का गठन किया गया, जिसने जनता की प्रतिक्रिया लेने के लिए पूरे भारत में 36 बैठकें कीं। इसके अलावा, समिति को संबंधित नागरिकों से लाखों सुझाव मिले, जिससे संशोधन की आवश्यकता और भी बढ़ गई। विशेष समूहों के दावों के विपरीत कि सरकार विधेयक थोप रही है, वास्तविकता यह है कि प्रस्तावित संशोधन व्यापक परामर्श का परिणाम हैं। विधेयक का प्राथमिक प्रतिरोध मुस्लिम समुदाय के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों से आता है, जो इसे वित्तीय खतरे के रूप में देखते हैं क्योंकि इससे वक्फ संपत्तियों की अवैध बिक्री और अतिक्रमण पर रोक लग जाएगी।

हालांकि, आम मुस्लिम आबादी, खासकर मुस्लिम महिलाओं ने यह मानते हुए सरकार की पहल का स्वागत किया है कि ये सुधार सामुदायिक संपत्तियों का और अधिक शोषण होने से बचाएंगे।

निष्कर्ष

वक्फ संपत्ति अनियमितताओं से न केवल वक्फ बोर्डों की प्रशासनिक विफलता का पता चलता है, बल्कि मुस्लिम समुदाय के लिए एक नैतिक दुविधा भी खड़ी हो गई है। जब तक इस भूमि के निष्पक्ष प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए साहसिक कदम नहीं उठाए जाते, तब तक घाटा बढ़ता रहेगा, जिसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो वक्फ संसाधनों पर सबसे अधिक निर्भर हैं। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 एक व्यवस्थित और पारदर्शी समाधान की पेशकश करता है, लेकिन सवाल यह है: क्या समुदाय व्यापक भलाई से जुड़े इन सुधारों का समर्थन करेगा या आंतरिक सत्ता संघर्ष इसकी प्रगति में बाधा डालते रहेंगे।

नए भर्ती शिक्षकों ने पारदर्शी तरीके से नौकरियां देने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की

संवाददाता
चंडीगढ़

शिक्षा विभाग में नए भर्ती हुए शिक्षकों ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पूरी तरह से योग्यता के आधार पर नौकरियां देने के लिए सराहना की।

संगरूर की सिमरनजीत शर्मा ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि उसके पति को 2023 में नियुक्ति पत्र मिला था और अब उन्होंने यह नौकरी हासिल कर अपने दादा जी का सपना साकार किया है। उसने कहा कि इसका सारा श्रेय मुख्यमंत्री को जाता है, जिन्होंने पूरी पारदर्शिता से भर्ती सुनिश्चित की है।

मानसा के रहने वाले गगनदीप सिंह ने बताया कि वह निजी क्षेत्र में काम कर रहे थे और लंबे समय से नौकरी पाने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इससे पहले उनके परिवार में किसी के पास भी सरकारी नौकरी नहीं थी। इस नौकरी के लिए वे मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के हमेशा आभारी रहेंगे।

रामफल सिंह ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान उनकी और उनके दोस्तों की सरकारी नौकरी की उम्मीद टूट चुकी थी, लेकिन मुख्यमंत्री की बदौलत आज उन्हें नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के दौरान उन्हें तीसरी नौकरी मिली है, जो उनके लिए बहुत गर्व की बात है।

रूपनगर की रहने वाली संदीप कौर ने बताया कि उनके माता-पिता का सपना था कि वह सरकारी नौकरी करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की बदौलत यह सपना पूरा हुआ है क्योंकि इससे पहले उनके पति को भी इसी सरकार के दौरान नौकरी मिल चुकी है।

मानसा के हरप्रीत सिंह ने बताया कि उन्हें मौजूदा सरकार में ही पंजाब पुलिस में नौकरी मिली थी, लेकिन अब उन्हें शिक्षक के रूप में भी नौकरी मिल गई है। उन्होंने कहा कि इसका पूरा श्रेय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को जाता है। संगरूर की गोलो कौर ने मुख्यमंत्री द्वारा युवाओं को नौकरियां देने और आम आदमी का जीवन बेहतर बनाने के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उन्हें और कई अन्य लोगों को दस दिनों के भीतर दूसरी नौकरी मिली है, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

पटियाला की रवनीत कौर ने करोड़ों पंजाबियों के सपने साकार करने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इस नौकरी के लिए वे हमेशा मुख्यमंत्री और उनकी सरकार की ऋणी रहेंगी।

पंजाब महिला आयोग ने पटियाला में हुए घिनौने अपराध की कड़ी निंदा की

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल ने मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पटियाला में 12 वर्षीय लड़की के साथ हुए घिनौने अपराध की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस दुःख की घड़ी में पीड़ित और उसके परिवार के साथ खड़ी हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, एक ऑटो चालक को एक नाबालिग का यौन शोषण करने और गर्भवती करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(2) और 68 तथा यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा (पोक्सो) अधिनियम की धारा 6 के तहत एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। आयोग ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों से तुरंत और संपूर्ण जांच सुनिश्चित करने की अपील की है ताकि दोषी को बिना देरी के न्याय के कटघरे में लाया जा सके।

पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन श्रीमती राज लाली गिल ने इस मामले का सख्त नोटिस लेते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट की मांग की है। चेयरपर्सन ने कहा, यह बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और एक घिनौना अपराध है जिसे हमारे समाज में किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हम दोषी के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग करते हैं। न्याय को सुनिश्चित करने के लिए आयोग द्वारा इस केस की कार्यवाही पर पैनी नजर रखी जाएगी।

इसके अलावा, आयोग स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल कर रहा है ताकि पीड़ित को आवश्यक चिकित्सीय सहायता, मनोवैज्ञानिक और कानूनी सहायता प्रदान की जा सके। आयोग लोगों से सतर्क रहने और दुर्व्यवहार या शोषण से किसी भी मामले की सूचना तुरंत अधिकारियों को देने की अपील करता है।

इसके अतिरिक्त, आयोग सिफारिश करता है कि विद्यार्थियों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सभी वाहनों की बारीकी से जांच की जाए और सुचारू ढंग से दस्तावेजीकरण किया जाए। बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे वाहनों में आपातकालीन किट, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम, स्पीड मॉनिटर, अग्निशामक यंत्र और आपातकालीन निकासी की व्यवस्था जरूरी है। इसके अलावा, इन वाहनों को चलाने वाले सभी ड्राइवरों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य है ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। इन सुरक्षा उपायों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण और निगरानी की जानी चाहिए।

पंजाब राज्य महिला आयोग महिलाओं और बच्चों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए वचनबद्ध है। आयोग पुलिस, न्यायपालिका और सिविल सोसाइटी सहित सभी भागीदारों से अपील करता है कि हमारे बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए एकजुट होकर काम करें।

पी.एस.पी.सी.एल. ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में पछवाड़ा कोल खदान में प्राप्त की पीक रेटेड क्षमता : हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पी.एस.पी.सी.एल.) के थर्मल पावर प्लांटों के लिए निर्बाध और किफायती कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी सफलता के तहत, वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपनी पछवाड़ा केंद्रीय कोल खदान में 70 लाख टन कोयला निकालकर पीक रेटेड क्षमता प्राप्त कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। यह जानकारी बिजली मंत्री स हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज यहां जारी एक प्रेस बयान के माध्यम से दी।

कैबिनेट मंत्री स हरभजन सिंह ने बताया कि पछवाड़ा खदान, जो 31 मार्च 2015 से बंद थी, को मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के सक्रिय और दूरदर्शी नेतृत्व में दिसंबर 2022 में सफलतापूर्वक पुनः संचालित किया गया। पुनरुद्धार के बाद, इस कोयला खदान ने पी.एस.पी.सी.एल. के थर्मल पावर स्टेशनों को 115 लाख टन कोयला आपूर्ति किया है, जिससे कोल इंडिया लिमिटेड (सी.आई.एल.) से प्राप्त कोयले की तुलना में अनुमानित 950 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इससे बिजली उत्पादन लागत में काफी कमी आई है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पछवाड़ा खदान में उच्च स्तर की क्षमता प्राप्त करना यह दशार्ता है कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार ऊर्जा सुरक्षा, परिचालन दक्षता और वित्तीय विवेक के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कोयला खरीद में आत्मनिर्भरता बढ़ाएगी, बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम करेगी और पंजाब के लिए बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाएगी।

इस उपलब्धि का जिक्र करते हुए बिजली मंत्री स हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने कहा, पछवाड़ा खदान में यह शानदार सफलता पंजाब की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। कोयले की स्थिर और किफायती आपूर्ति सुनिश्चित कर, हम उपभोक्ताओं को विश्वसनीय और सस्ती बिजली प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस उपलब्धि से राज्य के बिजली बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने तथा स्थिर बिजली दरों को बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

कैबिनेट मंत्री ने आगे कहा कि खदान के संचालन के साथ, पी.एस.पी.सी.एल. ने फ्लेक्सी नीति के तहत तलवंडी साबो और राजपुरा में अपने कोल इंडिया लिंकेज को स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आई.पी.पी.) में परिवर्तित कर दिया है, जिससे आयातित या वैकल्पिक कोयले की आवश्यकता समाप्त कर देश की कीमती विदेशी मुद्रा बचाने में योगदान दिया गया है। उच्च गुणवत्ता वाले कोयले की उपलब्धता ने पी.एस.पी.सी.एल. के अपने थर्मल पावर प्लांटों के प्लांट लोड फैक्टर (पी.एल.एफ.) में काफी सुधार किया है।

पंजाब पुलिस ने सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया; 3.5 किलो हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

संवाददाता
चंडीगढ़/फिरोजपुर

- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शानुसार पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए वचनबद्ध पंजाब पुलिस
- गिरफ्तार आरोपी सुखदेव सिंह पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में था, ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों की खेप मंगवा रहा था: डीजीपी गौरव यादव

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेर्शों के तहत नशे के खिलाफ छेड़ी गई जंग के दौरान काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) फिरोजपुर ने 3.5 किलो हेरोइन के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान सुखदेव सिंह उर्फ सुखी निवासी मोहन के उत्तर, फिरोजपुर के रूप में हुई है। हेरोइन की बरामदगी के अलावा, पुलिस टीमों ने उसका हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पी बी -05-ए एम -5620), जिस पर वह सवार था, भी जब्त कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों के सीधे संपर्क में था, जो सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशीले पदार्थों की खेप भेज रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे की कड़ियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के संबंध में जानकारी देते हुए एआईजी काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर गुरसेवक सिंह बराड़ ने बताया कि आरोपी सुखदेव सिंह सुखी की तस्करी गतिविधियों में संलिप्तता की पुख्ता सूचना के आधार पर सीआई फिरोजपुर की पुलिस टीमों ने फिरोजपुर के गांव लखो के बहिराम क्षेत्र में गुप्त अभियान चलाया और आरोपी को काबू कर लिया। उसके पास से प्लास्टिक बैग में रखे 500-500 ग्राम हेरोइन के 7 पैकेट बरामद किए गए।

उन्होंने बताया कि जब पुलिस टीमों ने आरोपी को पकड़ा, उस समय वह किसी व्यक्ति को यह खेप पहुंचाने जा रहा था। उन्होंने कहा कि सप्लायरों, डीलरों और खरीदारों के पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के साथ-साथ आरोपी सुखदेव सिंह सुखी जिस व्यक्ति को नशे की खेप पहुंचाने वाला था, उसकी पहचान करने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और भी बरामदगी और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

इस संबंध में एफआईआर नंबर 10 दिनांक 31.03.2025 को थाना स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), फाजिल्का में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी के तहत दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए उसका पुलिस रिमांड लिया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा देशभर में राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठकें

संवाददाता
चंडीगढ़

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा देशभर में चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ई.आर.ओ.), जिला चुनाव अधिकारी (डी.ई.ओ.) और मुख्य चुनाव अधिकारी (सी.ई.ओ.) के स्तर पर राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठकें की गई हैं। 31 मार्च 2025 तक 25 दौर में कुल 4,719 बैठकें की गईं, जिनमें 40 बैठकें सी.ई.ओ. द्वारा, 800 बैठकें डी.ई.ओ. द्वारा और 3,879 बैठकें ई.आर.ओ. द्वारा की गईं, जिसमें देशभर में राजनीतिक पार्टियों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

यह बैठकें मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) श्री ज्ञानेश कुमार द्वारा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ 4 और 5 मार्च 2025 को आई.आई.आई.डी.ई.एम., नई दिल्ली में हुई मुख्य चुनाव अधिकारियों की कॉन्फ्रेंस के दौरान जारी निर्देशों के अनुसार की गई हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य संबंधित सक्षम अधिकारियों जैसे कि ई.आर.ओ. या डी.ई.ओ. या सी.ई.ओ. द्वारा किसी भी लंबित मुद्दे को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951; मतदाताओं की पंजीकरण नियमावली, 1960; चुनाव आचार नियम, 1961 और भारत चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मैनुअल, दिशा-निर्देश और हिदायतों के मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत हल करना है। अन्य मूल्यांकन के लिए सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों से एक कार्रवाई रिपोर्ट मांगी गई है और यदि कोई भी मुद्दा, मौजूदा कानूनी ढांचे के अंतर्गत हल नहीं होता है, तो आयोग द्वारा उठाया जाएगा।

इन समागमों को राजनीतिक पार्टियों द्वारा भरपूर समर्थन मिला है, जिसमें विधानसभा क्षेत्रों जिलों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सक्रिय एवं उत्साही भागीदारी शामिल है।

नशा तस्करों द्वारा पंचायत भूमि पर किए गए अवैध निर्माण पर चली डिच मशीन

संवाददाता
चंडीगढ़/ कपूरथला

कपूरथला जिला प्रशासन ने बूट गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए पंचायत की जमीन पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। बीडीपीओ ढिल्लवां मनजीत कौर के आदेशों पर कार्रवाई करते हुए सिविल और पुलिस प्रशासन ने 3 ऐसे निमार्णों को गिरा दिया जो कि पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा करके बनाए गए थे। जिन पर अलग-अलग थानों में एन.डी.पी.एस के 34 केस दर्ज है।

एस.एस.पी. श्री गौरव तुरा ने बताया कि सिविल एवं पुलिस प्रशासन द्वारा गांव बूट में पंचायत की जमीन पर गुरनाम सिंह पुत्र जिओना सिंह और उसकी पत्नी भानी द्वारा किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। जिओना सिंह पर एन.डी.पी.एस. 5 और उसकी पत्नी भानी पर अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में 4 मामले दर्ज है इसके अलावा शेर सिंह और उसके बेटे काला सिंह, मेहताब सिंह द्वारा किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। शेर सिंह के खिलाफ एक और उसके बेटे काला सिंह के खिलाफ एन.डी.पी.एस. महताब सिंह के खिलाफ 8 और चढ़त सिंह पर एन.डी.पी.एस.के 7 मामले दर्ज है।

इसके अलावा सुरजीत सिंह द्वारा पंचायत की जमीन पर किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया, जिस पर विभिन्न पुलिस स्टेशनों में 6 मामले दर्ज है। श्री तुरा ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार के निदेर्शानुसार ' युद्ध नशे के विरुद्ध ' अभियान के तहत युद्ध स्तर पर कार्रवाई की जा रही है, जिसके तहत रोकथाम, प्रवर्तन और पुनर्वास की त्रिस्तरीय नीति पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के 'हॉट स्पॉट' क्षेत्रों की पहचान कर जहां नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है, वहीं नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता के साथ-साथ नशा छोड़ने वाले युवाओं को स्व-रोजगार के लिए सक्षम बनाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

ईसाई धर्मगुरु बजिन्दर को दुष्कर्म मामले में उम्र कैद की सजा

चंडीगढ़। पंजाब की मोहाली की अदालत ने बीमार लोगों का चमत्कार से इलाज करने वाले ईसाई धर्मगुरु पादरी बजिंदर सिंह को दुष्कर्म के एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मोहाली की जिला अदालत में मंगलवार को यह सजा जज विक्रांत कुमार ने को सुनाई। बजिंदर सिंह एक और यौन उत्पीड़न और एक अन्य महिला से मारपीट के मामलों में फंसा हुआ है। पादरी बजिंदर सिंह कथित चमत्कार से बीमारियां ठीक करने का दावा करता था। बजिंदर सिंह पर 2018 में रेप, मारपीट और धमकी देने के मामले में मोहाली के जीरकपुर थाने में केस दर्ज हुआ था। महिला का कहना था कि वह विदेश में बसना चाहती थी। इसके लिए उसने बजिंदर से संपर्क किया। बजिंदर उसे मोहाली स्थित अपने सेक्टर 63 स्थित घर में ले गया। जहां उसके साथ रेप कर वीडियो बनाया। इस मामले में केस दर्ज होने के बाद 2018 में ही बजिंदर सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में बजिंदर को जेल से जमानत पर छोड़ा गया। इसी महीने की शुरूआत में 3 मार्च को कोर्ट ने बजिंदर और अन्य 5 आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे। 28 मार्च को मोहाली कोर्ट ने इस मामले में बजिंदर सिंह को दोषी करार दिया। वहीं बाकी 5 आरोपियों, पादरी जतिंदर कुमार और अकबर भट्टी, राजेश चौधरी, सितार अली व संदीप पहलवान को बरी कर दिया। ट्रायल के दौरान एक आरोपी सुच्चा सिंह की मौत हो चुकी है। 28 मार्च को ही बजिंदर को दोषी करार दिया था। इसके बाद उसे पटियाला जेल में बंद कर दिया गया था। कोर्ट का फैसला आने के बाद पीड़िता के वकील अनिल सागर ने बताया कि कोर्ट ने बजिंदर को सजा सुनाते हुए कहा कि उसे अंतिम सांस तक जेल में रहना होगा। सजा से बचने के लिए पादरी बजिंदर ने अदालत को कहा कि उनके बच्चे छोटे हैं। पत्नी बीमार है। मेरी टांग में रॉड पड़ी हुई है, इसलिए मुझ पर रहम किया जाए। मगर कोर्ट ने उसकी दलीलों को खारिज कर दिया।

कांग्रेस ने किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त की

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आज आम आदमी पार्टी के नेताओं के आवासों के बाहर राज्य भर में प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त की। वड़िंग ने एक बयान में कहा कि आप ने किसानों को बुरी तरह से निराश किया है और उनके साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों पर निर्मम कार्रवाई के बाद, सभी को उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान कम से कम भारत सरकार के समक्ष इस मामले को उठाएंगे। उन्होंने कहा, लेकिन दुर्भाग्य से हमारे सीएम ने जानबूझकर चुप्पी साध रखी है, जिसके कारण वे ही जानते हैं, उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा, आप भाजपा के फ्रंटल संगठनों में से एक बन गई है और पंजाब में उसके इशारे पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आप किसानों के लिए केवल मगरमच्छ के आंसू बहा रही है, जबकि वास्तव में वह किसानों के संघर्ष को विफल करने के लिए भाजपा के साथ गठबंधन कर रही है। वड़िंग ने पूछा कि मुख्यमंत्री को चार साल पहले किसानों से किए गए अपने वादों का मामला उठाने से किसने रोका। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने किसानों से किए गए अपने वादों की याद दिलाने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखने की भी जहमत नहीं उठाई। उन्होंने कहा, आप ने इतने सालों तक जो किसान समर्थकी दिखावा किया था, वह आखिरकार खत्म हो गया है और पार्टी पंजाबियों के सामने बेनकाब हो गई है।

इतिहास में पहली बार वैट, सी.एस.टी, जी.एस.टी, पी.एस.डी.टी और आबकारी से 40,000 करोड़ रुपए से अधिक वार्षिक राजस्व प्राप्त करने का मील का पत्थर किया स्थापित

पंजाब द्वारा आबकारी राजस्व में ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित: हरपाल सिंह चीमा

संवाददाता
चंडीगढ़

- वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पारदर्शी आबकारी नीतियों और करदाता-पक्षीय पहकदमियों को दिया बढ़े हुए राजस्व का श्रेय
- कहा, बढ़े हुए कर राजस्व स्वरूप ही बदलदा पंजाब बजट प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास को देगा रफ्तार
- प्रण किया कि नागरिकों पर किसी भी अतिरिक्त कर का बोझ डाले बगैर राजस्व प्राप्तियों में बढ़ोतरी रखी जाएगी जारी

पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि प्रदेश के आबकारी और कराधान विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 10,743.72 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड तोड़ आबकारी राजस्व प्राप्त कर पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 16.36 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक बढ़ोतरी दर हासिल की है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान वैट, सीएसटी, जीएसटी, पीएसडीटी और आबकारी से राज्य का कुल राजस्व प्रदेश के इतिहास में पहली बार 40,000 करोड़ रुपए की सीमा को पार करते 12.47 प्रतिशत बढ़ोतरी दर के साथ 42289.97 करोड़ रुपए रहा।

यहां जारी प्रेस बयान में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा लागू की गई सफल आबकारी नीतियों को आबकारी वसूली में हुयी उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के 10145 करोड़ रुपए के लक्ष्य को पार करते हुए लक्ष्य के मुकाबले आबकारी राजस्व में 598.72 करोड़ रुपए की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। मार्च 2025 में, पंजाब ने आबकारी राजस्व में 30.67 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर हासिल की, जिससे 1477.04 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो मार्च 2024 में प्राप्त हुए 1130.37 करोड़ रुपए से एक महत्वपूर्ण बढ़ोतरी है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब प्रदेश ने आबकारी राजस्व में पांच अंकों का आंकड़ा पार किया है।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे खुलासा किया कि प्रदेश ने वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) वसूली में भी 12.99 प्रतिशत की शुद्ध वार्षिक वृद्धि दर देखी है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 20,923.37 करोड़ रुपए के मुकाबले 23,642.15 करोड़ रुपए की शुद्ध वार्षिक प्राप्ति रही। वित्त मंत्री ने कहा कि मार्च 2025 में प्रदेश ने 1,913.82 करोड़ रुपए की शुद्ध जीएसटी प्राप्ति दर्ज की, जो मार्च 2024 में 1,761.70 करोड़ रुपए की तुलना में 8.63 प्रतिशत वृद्धि को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा प्रदेश ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान वैट में भी 5.42 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज करते हुए 7,353.32 करोड़ रुपए की वार्षिक प्राप्ति की है, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 6,975.3 करोड़ रुपए थी।

वित्त मंत्री चीमा ने इन प्राप्तियों का श्रेय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार द्वारा लागू की गई पारदर्शी आबकारी नीतियों और आबकारी तथा कर विभाग की उन प्रवर्तन गतिविधियों को दिया जिसके परिणामस्वरूप पड़ोसी राज्यों से शराब की तस्करी को सफलतापूर्वक रोका गया। उन्होंने कहा कि विभाग ने बिल लाओ इनाम पाओ योजना जैसी पहलों के माध्यम से और तकनीकी समाधानों एवं टैक्स इंटेलिजेंट यूनिट का लाभ उठाकर कर पालन को प्रोत्साहित कर-के जीएसटी राजस्व को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि विभाग ने दो-तरफा रणनीति अपनाई है, जिसमें ईमानदार करदाताओं को हर संभव सहायता प्रदान करने के साथ-साथ कर चोरी करने वालों पर शिकंजा कसना शामिल है, जिससे एक निष्पक्ष और पारदर्शी कर प्रणाली सुनिश्चित की गई है।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जोर देते हुए कहा कि प्रदेश के कर राजस्व को प्रोत्साहन देने की इन कोशिशों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार को ऐतिहासिक बदलदा पंजाब बजट पेश करने के योग्य बनाया है, जिसका उद्देश प्रदेश के लिए आर्थिक और सामाजिक विकास के युग की शुरूआत करना है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों पर किसी नए कर का बोझ डाले बगैर कर राजस्व को और बेहतर बनाने के लिए नई पहलों को जारी रखेगी।

योगी ने बरेली में किया 932 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति बांट दी जाएगी गरीबों को : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)

बरेली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आठ साल में बरेली समेत सूबे भर में कहीं भी दंगे नहीं हुये। यदि अब किसी ने दंगा करने की हिम्मत की तो दंगाई की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी। समाजवादी सरकार ने ने गोवंश को लावारिस छोड़ दिया था। उनके मुखिया कहते हैं कि गोबर से दुर्गंध आती है। ये उनकी असलियत है। वे गौमाता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जहन्नुम भेजा, तो सपा को परेशानी हुई। वह बरेली में मंगलवार को स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण अभियान के शुभारंभ के मौके पर संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बरेली में 932 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पूरे प्रदेश के लिए 2500 नई एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बरेली कॉलेज ग्राउंड से मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गो-तस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौमाता की सेवा क्या जानें। उनको गौमाता के गोबर में तो दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। 2017 से पहले बरेली में हर साल पांच-सात दंगे आम बात थी। अब बरेली में दंगा नहीं, चंगा है।

❍ लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, टूलकिट और आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा कि जिन एम्बुलेंस को आज हरी झंडी दिखाई गई है, उनसे स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त होंगी। 2017 से पहले 108 एंबुलेंस सेवा का रिस्पांस टाइम 17 से 19 मिनट था, जिसे अब घटाकर 7 मिनट से कम किया गया है। इन्सेफलाइटिस, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए यह अभियान जरूरी है। इस मौके पर लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, टूलकिट और आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए।

योगी ने बताया कि शिक्षक-छात्र अनुपात सुधारने के लिए 1.25 लाख से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गई है। अब स्कूलों को इंटीग्रेटेड स्कूल कॉम्पलेक्स के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में 16 अटल आवासीय विद्यालय शुरू किए गए हैं, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए मॉडल स्कूल के रूप में कार्य करेंगे। 2017 से पहले सरकारी स्कूलों की हालत खराब थी। अब 1.91 करोड़ छात्रों के बैंक खातों में 1200 रुपये भेजे जा रहे हैं। सरकार द्वारा दो यूनिफॉर्म और संपूर्ण ड्रेस अनिवार्य रूप से दी जा रही है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, विधायक डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. श्याम बिहारी लाल, संजीव अग्रवाल व कुंवर महाराज सिंह, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, आंवला जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, विशेष सचिव मुख्यमंत्री ईशान प्रताप सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक रमित शर्मा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक डॉ. राकेश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य आदि उपस्थित रहे।

सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर बोले: धरती के माहौल में ढलने की कर रहे कोशिश

❍ स्पेस से लौटने पर सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

ह्यूस्टन

नासा के अनुभवी अंतरिक्ष यात्री, सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर महज आठ दिनों के मिशन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन वो 286 दिनों बाद धरती पर लौटे। 18 मार्च को स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन यान के जरिए उनकी सफल वापसी हुई। दोनों अंतरिक्ष यात्री ने मार्च महीने की शुरुआत में धरती पर वापस आने के बाद आज पहली बार टेक्सास के ह्यूस्टन में जॉनसन स्पेस सेंटर से सार्वजनिक रूप से मिशन के अनुभवों को साझा किया। लंबे अंतराल के बाद पृथ्वी पर लौटने के बाद सुनीता विलियम्स ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, मैं सबसे पहले अपने पति और अपने पालतू कुत्तों को गले लगाना चाहती थी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन्होंने अपने घर में एक ग्रिल्ड चीज सैंडविच का आनंद लिया, जो उनके पिता की याद दिलाता है। पृथ्वी पर सकुशल वापसी पर बुच विल्मोर ने कहा, हम इस देश के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे लिए प्रार्थना की और हमारे साथ शामिल रहे। वहीं सुनीता ने कहा, हमें नहीं पता था कि धरती पर क्या हो रहा है। लेकिन लोगों की प्रतिक्रियाओं से सम्मानित और विनम्र महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हम जो कर रहे हैं, वह भी महत्वपूर्ण है, टीमें हमें पुनर्वास में मदद कर रही हैं और नई चुनौतियों के लिए तैयार कर रही हैं। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने आईएसएस पर बिताए समय को अनमोल वैज्ञानिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण प्रयोग किए। उन्होंने कहा कि यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष अभियानों की सूची में छठे सबसे लंबे मिशन के रूप में दर्ज हुआ है। हालांकि, सबसे लंबी अवधि का रिकॉर्ड नासा के ही अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक रूबियो के नाम है, जिन्होंने 371 दिनों तक अंतरिक्ष में रहकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया था। 286 दिनों तक अंतरिक्ष में यात्रियों को क्यों रुकना पड़ा? इस सवाल के जवाब में विलियम्स और विलमोर ने कहा कि नासा और बोइंग द्वारा विकसित स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में तकनीकी दिक्कतों के चलते उन्हें अंतरिक्ष स्टेशन पर ही रुकना पड़ा। उनका मिशन मात्र आठ दिनों के लिए था, लेकिन स्टारलाइनर के प्रणोदन प्रणाली में आई समस्याओं के कारण नासा ने उनकी वापसी को बार-बार टाल दिया। अंततः जब यह निर्णय लिया गया कि उनके लिए स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से वापसी अधिक सुरक्षित होगी, तो उनकी वापसी संभव हो पाई। हालांकि नासा और बोइंग की आगामी योजनास्टारलाइनर यान की असफलताओं की विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने बताया कि नासा और स्पेसएक्स की नई उड़ानें यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार की जा रही हैं कि भविष्य में इस तरह की तकनीकी परेशानियां दोबारा न हों।

खालिदा जिया का बांग्लादेश के भविष्य के लिए सभी से एकजुट होने का आान

एजेंसी (हि.स.)

ढाका

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने देश के बेहतर भविष्य और मुल्क में जम्हूरियत की स्थापना के लिए सभी से एकजुट होने का आान किया। खालिदा जिया ने यह अपील ईद-उल-फितर और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ढाका में मौजूद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं व अन्य से सोमवार को लंदन से वर्चुअली संबोधन में की। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, खालिदा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को ईद और स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना के लिए आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह कार्यक्रम गुलशन स्थित उनके कार्यालय में आयोजित किया गया। पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान भी लंदन से इसमें वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत में बीएनपी

फोटोः हि.स.

महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने स्वागत भाषण दिया। खालिदा जिया ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी सदस्यों का बलिदान और संघर्ष व्यर्थ नहीं गया है और व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने सभी से लोगों के मताधिकार को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने देशवासियों को ईद की शुभकामनाएं भी दीं। लंबे समय बाद सभी को देखकर वह भावुक हो गईं। उल्लेखनीय है कि वयोवृद्ध नेता खालिदा कई माह से लंदन में अपने बेटे के घर पर हैं। वह इलाज कराने लंदन गई थीं।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के बरखान जिले में भूकंप से कांपी धरती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में भूकंप आने के कुछ घंटों बाद आज सुबह बलूचिस्तान के बरखान जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि, नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 रही और यह 12 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप का केंद्र बरखान से 59 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित रहा। जियो न्यूज चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि इससे पहले ईद के दिन भी शाम 4 बजे के आसपास कराची के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि कराची में आए भूकंप की तीव्रता 4.7 थी और इसका केंद्र शहर से 75 किलोमीटर उत्तर में स्थित था। हालांकि, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन भूकंप के झटकों के बाद लोग घबरा गए। यूएसजीएस के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 4.6 थी और भूकंप का केंद्र बलूचिस्तान के उथल से 65 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

रवि लामिछाने ने संभाली पार्टी की कमान, सांसद पद बहाल करने की मांग

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

सहकारी घोटाले में करीब तीन महीने तक न्यायिक हिरासत में रहने के बाद रिहा हुए पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने ने मंगलवार को एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष पद की कमान संभाल ली है। उन्होंने स्पीकर से मुलाकात करके सांसद पर पुनर्बहाली की मांग की है। सहकारी घोटाले में गिरफ्तारी के बाद उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद पांच अलग-अलग जिला अदालतों से जमानत मिलने के बाद रवि लामिछाने अपनी पार्टी के अध्यक्ष पद पर फिर से बहाल हुए हैं। अध्यक्ष पद की कमान संभालने के बाद मीडिया से बातचीत में रवि लामिछाने ने बताया कि वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से षडयंत्र के तहत उन्हें फंसाया गया था। उन्होंने बताया कि तमाम षडयंत्र के बाद भी उनकी सबसे बड़ी जीत हुई है।

फोटोः हि.स.

रवि लामिछाने ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने के अनेक प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं और सांसदों ने उनके प्रति विश्वास दिखाते हुए सत्ता पक्ष के षडयंत्र को नाकाम कर दिया।

प्रधानमंत्री की ओर से सोमवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को नहीं बुलाए जाने पर रवि लामिछाने ने बताया कि कांग्रेस और एमाले उनकी पार्टी को बेवजह बदनाम करने के लिए राजशाही का पक्षधर होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने बड़े दल के नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि लोकतंत्र का मतलब देउवा तंत्र और ओली तंत्र नहीं होता है। रवि लामिछाने का स्पष्ट कहना था कि उनकी पार्टी लोकतंत्र में विश्वास करती है, लेकिन ओली तंत्र और देउवा तंत्र के आगे वो नहीं झुकने वाले हैं। पार्टी की कमान संभालने के साथ ही रवि लामिछाने ने पार्टी के बड़े नेताओं और सांसदों को लेकर प्रतिनिधि सभा के स्पीकर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने स्पीकर से निलंबित की गई संसद सदस्यता को बहाल करने की मांग की है। रवि लामिछाने का तर्क है कि जब अदालत से उन्हें जमानत मिल चुकी है, तो उनकी संसद सदस्यता भी बहाल कर दी जाए। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसदों ने जल्द से जल्द इस पर निर्णय लेने का आग्रह किया है।

चीन की सेना ने ताइवान को घेरकर संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया

एजेंसी (हि.स.)

बीजिंग

चीन की सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास शुरू किया है। इसमें सेना, नौसेना और रॉकेट बल शामिल हैं। इसे ताइवान की स्वतंत्रता के खिलाफ सख्त चेतावनी माना जा रहा है। चीन की सेना के पूर्वी थियेटर कमांड के आधिकारिक वीचैट सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी गई है। चीन ने कुछ दिनों से द्वीप के खिलाफ अपना राजनीतिक और सैन्य दबाव तेज किया है। बीजिंग लंबे समय से ताइवान को अपना हिस्सा बताता आ रहा है। सीएनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीन के शांदोंग विमान वाहक समूह ने सोमवार को द्वीप के प्रतिक्रिया क्षेत्र में प्रवेश किया। जवाब में सैन्य विमान और जहाज भेजे गए और भूमि-आधारित मिसाइल प्रणालियों

फोटोः हि.स.

को सक्रिय किया गया। बयान में कहा गया, "चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने ताइवान और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ा दिया है। सुखद यह है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसके साथ है।" संयुक्त युद्धाभ्यास की घोषणा के बाद चीन की सेना ने लगातार कई वीडियो जारी किए। इनमें चीन के युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों को ताइवान को घेरते हुए ताइपे को ऊपर से निशाना बनाते हुए और सैन्य वाहनों को शहर की सड़कों पर गश्त करते दिखाया गया है। चीन की सेना ने एक पोस्टर का वीडियो भी जारी किया है। इसका शीर्षक क्लोजिंग इन है। चीन की सेना के पूर्वी थियेटर कमांड ने वीचैट पेज पर शेल शीर्षक से एक वीडियो जारी किया। इसमें ताइवान के राष्ट्रपति लाइ चिंग-ते को एक हरे रंग के कार्टून बग के रूप में दिखाया गया है। चीन की सेना ने ताइवान के राष्ट्रपति को परजीवी कहा है। वीचैट पेज पर ताइवान के राष्ट्रपति लाइ द्वीप को खोखला कर रहे हैं। चीन के ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता झू फेंगलियान ने कहा कि यह संयुक्त अभ्यास लाइ चिंग-ते के बड़े पैमाने पर स्वतंत्रता उकसावे के लिए एक कठोर सजा है। यही नहीं, चीन ने ताइवान को मिलाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उल्लेखनीय है कि ताइवान को चीन की सैन्य धमकी दिए जाने का हालिया इतिहास 1996 से शुरू होता है। यह वही समय है जब ताइवान में पहली बार प्रत्यक्ष राष्ट्रपति चुनाव हुए थे। इसके बाद चीन ने ताइवान के आसपास के कई इलाकों को प्रतिबंधित घोषित किया था। कभी चीन और ताइवान एक ही देश का हिस्सा थे।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष फिर से दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली/मुंबई। आनंद राठी समूह की ब्रोकरेज शाखा आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फिर से दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाना है। कंपनी के शेयरों को एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दस्तावेज के मुताबिक आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड का 5 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है। इससे पहले कंपनी ने दिसंबर, 2024 के महीने में अपना डीआरएचपी दाखिल किया था। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक कंपनी नए इश्यू से प्राप्त 550 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपनी दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैंकाक में होगी मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)

काठमांडू

थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है। बैंकाक में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अप्रैल को वहां पहुंच रहे हैं जबकि नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली मंगलवार को ही काठमांडू से रवाना होने वाले हैं। बिम्सटेक से जुड़े सभी सदस्य देशों के राष्ट्र प्रमुखों के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री के तरफ से 3 अप्रैल को राजकीय भोज का आयोजन किया गया है। यहां पर सभी के बीच अनौपचारिक मुलाकात होने वाली है।

फोटोः हि.स.

थाईलैंड में नेपाल के राजदूत धन बहादुर वली ने बताया कि नेपाल के प्रधानमंत्री ओली और भारत के प्रधानमंत्री मोदी के बीच 4 अप्रैल की सुबह साइडलाइन मुलाकात तय हुई है। उन्होंने बताया कि चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की बैंकाक यात्रा सिर्फ 24 घंटे के लिए है इसलिए उनकी व्यस्तता के कारण अंतिम समय में मुलाकात का समय आगे पीछे हो सकता है। भारतीय प्रधानमंत्री के साथ ओली की यह दूसरी साइडलाइन मुलाकात हो रही है। इससे पहले सितंबर 2024 में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान दोनों के बीच साइडलाइन मुलाकात हुई थी।

संक्षिप्त-समाचार

चुनाव में मिली हार से कांग्रेसी बौखलाए: साय

रायपुर। विधानसभा चुनाव, लोकसभा चुनाव, उपचुनाव व नगरीय नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में हार मिलने से कांग्रेसी बौखलाये हुए हैं। पंचायती चुनाव में तो कांग्रेस पूरी तरह से क्लीन स्वीप हो गई। उक्त बातें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को रायपुर के महिला थाना चौक (मधुसूदन दास चौक) में ओडिशा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि, बौखलाहट में कांग्रेसी कुछ भी उलूल-जुलुल बोल रहे हैं। बीजेपी शासन काल में नक्सलियों के पनपने के कांग्रेस के सवाल पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह पूरा छत्तीसगढ़ और देश जानता है कि किसके राज्य में नक्सली फले-फूले और किसके राज्य में नक्सलियों के साथ मजबूती से लड़ाई लड़ी जा रही है।

टॉय ट्रेन की धक्के से स्कूल छात्रा की मौत

सिलीगुड़ी। टॉय ट्रेन की चपेट में आने से एक नौवीं कक्षा की छात्रा की मौत हो गई, जबकि उसकी बड़ी बहन घायल हो गई है। मृत छात्रा का नाम रोशनी राई (15) है। वह मकाइबाड़ी इलाके की रहने वाली थी। जबकि उसकी दीदी प्रतीक्षा राई (19) घायल है। इधर, हादसे के बाद मंगलवार को मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों ने कार्शियांग रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया जिससे कार्शियांग में तनाव का माहौल है। सूत्रों के अनुसार, छात्रा अपनी दीदी प्रतीक्षा के साथ सोमवार दवा खरीदने के लिए निकली थी। तभी बाजार के पास रेलवे लाइन से जाते समय कथित तौर पर पीछे से एक टॉय ट्रेन ने दोनों को टक्कर मार दी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को बरामद कर कार्शियांग सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के बाद उसकी दीदी प्रतीक्षा को छुट्टी दे दी गई, लेकिन रोशनी को उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज व अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां से फिर रोशनी को सिलीगुड़ी के एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि वहां देर रात उसकी मौत हो गई। घटना के बाद रेलवे प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों ने कार्शियांग रेलवे स्टेशन पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) के निदेशक रिषभ चौधरी ने कहा कि ट्रेन की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई है। दोनों लड़कियां लाइन पर चल रही थी और उनके कानों में हेडफोन लगे थे, जिसके कारण यह हादसा हुआ है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर से सक्रिय 13 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर /रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सोमवार शाम अलग-अलग थाना क्षेत्र से एक लाख रुपये के इनामी सहित 13 सक्रिय माओवादी को सुरक्षा बल के जवानों ने गिरफ्तार किया है। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के टेकमेटला गांव के पास जंगल से सात नक्सलियों को जबकि बासागुड़ा थाना क्षेत्र से छह नक्सलियों को पकड़ने का दावा किया गया है।बीजापुर के डीएसपी घनश्याम कामदे ने बताया कि गिरफ्तार किए गए नक्सली साल 2022 के आईईडी ब्लास्ट की घटना में शामिल थे। इस नक्सल वारदात में एक सीआरपीफ जवान घायल हो गया था। अन्य नक्सली पिछले साल अक्टूबर में यहां अलग-अलग स्थानों पर दो नागरिकों की हत्या में शामिल थे।थाना उसूर क्षेत्रान्तर्गत पुलिस पार्टी पर आईईडी विस्फोट में शामिल सात माओवादी को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से विस्फोटक जब्त किया गया। इस कार्रवाई में थाना उसूर, कोबरा 201, 205, 206, 210 एवं सीआरपीएफ196 बटालियन की संयुक्त टीम शामिल रही। गिरफ्तार नक्सलियों में बामन माड़वी (गलगम आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य), सोढ़ी हिड़मा (मारूड़बाका आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सेक्शन कमाण्डर),बारसे अंदा (गलगम आरपीसी सीएनएम सदस्य), बारसे हड़मा (गलगम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य),देवेन्द्र रवा (गलगम आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य), इरपा अर्जुन (संघम सदस्य), सुक्का ओयाम (मारूड़बाका आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य) शामिल है।

चुनौतियों के बीच वित्तीय प्रणाली को मजबूत कर रहा है आरबीआई: संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को कहा कि बैंक बदलती आर्थिक स्थिति में पहुंच का विस्तार, दक्षता में सुधार और लचीलेपन को मजबूत करके वित्तीय प्रणाली में सुधार करने के लिए काम कर रहा है। आरबीआई गवर्नर ने मुंबई में रिजर्व बैंक के 90वें स्थापना दिवस समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हम रिजर्व बैंक में सभी चुनौतियों का सामना करने और सभी अवसरों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने अपने में वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम करने के लिए विनियामक ढांचे को लचीला बनाने के साथ-साथ उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आरबीआई वित्तीय स्थिरता, दक्षता में संतुलन बनाकर विनियामक ढांचे को अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है। मल्होत्रा ने कहा कि आज हम परंपरा और परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं, जहां मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता और आर्थिक विकास की अनिवार्यतां तीव्र तकनीकी प्रगति, वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जुड़ती हैं। अगला दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा। आरबीआई वित्तीय समावेशन का विस्तार करने और उसे गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हम ग्राहक सेवाओं में निरंतर सुधार और उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे। आरबीआई वित्तीय प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए इसकी पहुंच का विस्तार करेगा, इसकी दक्षता बढ़ाएगा और उभरते आर्थिक परिदृश्य में इसके लचीलेपन को मजबूत करेगा। वित्तीय स्थिरता और दक्षता के हितों को संतुलित करके हमारे नियामक ढांचे को अनुकूलित करने का हमारा प्रयास होगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जब हम इस सालभर के उत्सव का समापन कर रहे हैं और अपने शताब्दी दशक में कदम रख रहे हैं, तो हम ऐसा आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट दृष्टि के साथ कर रहे हैं। आगे की यात्रा निरंतर अनुकूलन और चपलता, नई सोच और नवाचार, सहयोग एवं समन्वय और उत्कृष्टता एवं पूर्णता के लिए एक अटूट प्रतिबद्धता की मांग करेगी।

मप्र में अब सांदीपनि विद्यालय के नाम से जाने जाएंगे सीएम राइज स्कूल: डॉ. मोहन यादव

एजेंसी (हि.स.)

भोपाल

मध्य प्रदेश के सभी सीएम राइज स्कूल अब सांदीपनि विद्यालय के नाम से जाने जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को स्कूल चलें हमें अभियान के शुभारंभ अवसर पर इस संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल का नाम ऐसा लगता था, जैसे अंग्रेजों के जमाने का हो, इसलिए इसे बदलकर सांदीपनि ऋषि के नाम पर किया गया है।दरअसल, मध्य प्रदेश में आज (एक अप्रैल) से नया शैक्षणित सत्र शुरू हुआ है।इस अवसर पर प्रदेश के सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अवसर पर भोपाल के शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन) में स्कूल चलें हम अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी

फोटोः हि.स.

परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों की शिक्षा भी किसी से कमतर नहीं है। सरकारी स्कूलों में पढ़कर भी कई महान व्यक्तित्वों ने विश्वभर में भारत का नाम रोशन किया है। छात्रों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और कड़ी मेहनत के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी गई। उन्होंने इस अवसर पर नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी हुआ।

मुख्यमंत्री सोरेन ने सरहुल पूजा महोत्सव के अवसर पर किया संबोधित

झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्ष को ध्यान में रखकर हमें आगे बढ़ना है: मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)

रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पर्व-त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता-संस्कृति और आस्था जुड़ी है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह तथा उल्लास का संचार होता है। इसी कड़ी में हम सालों-साल से परंपरानुसार सरहुल पर्व मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने इस प्रकति पर्व की परंपराओं को अक्षुण्ण एवं मजबूती दी है। हमें विरासत में मिली इस परंपरा को और आगे ले जाना है।

मुख्यमंत्री सोरेन मंगलवार को आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर करमटोली में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां पारंपरिक विधि विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास, सुख-समृद्धि एवं

फोटोः हि.स.

शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधरोपण (सखुआ का पौधा लगाकर) कर प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य वासियों को सरहुल महापर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में हर वर्ष धूमधाम से सरहुल का त्योहार मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुझे यहां आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहां आकर आप सभी के साथ खुशियों को बांटने का मौका मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यहां हम प्रकृति को संरक्षित रखने और अपनी परंपराओं को लेकर आगे बढ़ने का एक संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प पूरा हो, इस दिशा में हमें सदैव प्रयास करते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी जिंदगी काफी व्यस्त हो चुकी है। लोगों के पास वक्त कम है, फिर भी विरासत में मिली अपनी परंपरा एवं सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वक्त जरूर निकालें। यह हमारी आने वाली पीढ़ी की बेहतरी के लिए जरूरी है। इससे आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं और पर्व-त्योहारों का जश्न मिलकर मनाने की अलग ही खुशी मिलती है।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर व्यवस्था देने के लिए सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार हो रहा है। इस कड़ी में आदिवासी कॉलेज छात्रावास करमटोली और महिला कॉलेज छात्रावास में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, बाकी सारी व्यवस्था सरकार करेगी।

बैंगलुरु की टीम जीत की हैट्रिक लगाने के लिए टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैदान पर भिड़ेगी

भुवनेश्वर और हेजलवुड बन सकते हैं गुजरात की परेशानी का सबब

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरू

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अपने घरेलू मैदान पर आईपीएल के इस सत्र का पहला मैच खेलने बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपने गेंदबाजों के शानदार फॉर्म के दम पर जीत की हैट्रिक लगाने का होगा।

आरसीबी ने कोलकाता को ईडन गार्डंस पर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की है। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच हालांकि बल्लेबाजों की मददगार है और यहां तीन बार 260 से अधिक का स्कोर बन चुका है। छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड ने गेंदबाजों को हमेशा परेशान किया है लेकिन रॉयल चैलेंजर्स का मानना है कि उसके दो गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड ने इस आईपीएल में छह से कम की इकॉनॉमी रेट से रन दिये हैं जबकि चेन्नई के खिलाफ मैच में भुवनेश्वर ने प्रति ओवर सिर्फ 6.6 की औसत से रन दिये। गुजरात टाइटंस के पास काफी सक्षम बल्लेबाज हैं। कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन अच्छी सलामी जोड़ी बना चुके हैं। आरसीबी की कोशिश होगी कि उन्हें अच्छी शुरूआत नहीं करने दे।

> स्पिनर गेंदबाजों के सामने देना होगा बेंगलुरू के गेंदबाजों को अपने कौशल का परिचय

नयी गेंद को स्विंग कराने के कौशल से भुवनेश्वर और सटीक गेंदबाजी के फन में माहिर हेजलवुड मिलकर उनकी परेशानी का सबब बन सकते हैं।

फोटोः हि.स.

बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल भी उपयोगी साबित हुए हैं। स्पिन विभाग में कृणाल पंड्या और सुयांश शर्मा कमजोर लग रहे हैं जबकि गुजरात के पास राशिद खान और आर साइ किशोर जैसे खतरनाक स्पिनर हैं।

ऐसे में विराट कोहली, फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड्डिकल की असल परीक्षा स्पिनरों के सामने होगी। गुजरात के पास कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं। आरसीबी के लिये खेलने वाले सिराज को नीलामी में गुजरात ने खरीदा था। कोहली और साल्ट पिछले दो मैचों में 95 और 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दोनों और खतरनाक हो सकते हैं। रबाडा अब तक 14 पारियों में से चार बार कोहली को आउट कर चुके हैं। ह्य इ साला कप नमदेह्ल का नारा लगाने वाले आरसीबी के प्रशंसकों को हालांकि उम्मीद होगी कि पिछले 18 साल का इंतजार खत्म करने के लिये उनकी टीम जीत की लय कायम रखे।

टीमों का विवरण

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

गुजरात टाइटंसः जोस बटलर, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, जयंत यादव, महिपाल लोमरोर, करीम जनत,

वंदना कटारिया ने की अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे एक असाधारण करियर का समापन हो गया। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 158 गोल करने वाली वंदना भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में विदाई ले रही हैं। आंकड़ों से कहीं अधिक, वह एक प्रेरणादायक धरोहर छोड़कर जा रही हैं, जो एक संघर्ष, संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को उच्च शिखर पर पहुंचाने की अनवरत भूख की कहानी है।

वंदना ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मुझे पता है कि अब सही समय है। हॉकी मेरी जिंदगी रही है, और भारतीय जर्सी पहनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। लेकिन हर यात्रा का एक अंत होता है, और मैं गर्व, आभार और खेल के प्रति अपार प्रेम के साथ छोड़ रही हूं। भारतीय हॉकी अच्छे हाथों में है, और मैं हमेशा इसकी सबसे बड़ी समर्थक रहूंगी। उन्होंने लिखा,

फोटोः हि.स.

मैं अपने कोच, टीम साथियों, समर्थन कर्मचारियों, हॉकी इंडिया, परिवार और सभी फैंस का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरे साथ हर कदम पर समर्थन किया। उनके हर एक चीयर, संदेश और प्रोत्साहन ने मुझे बहुत कुछ दिया।

वंदना का हॉकी में सफर एक छोटे से गांव रौशनाबाद, हरिद्वार से शुरू हुआ था, जहां से वह अपने सपने को सच करने के लिए निकली थीं। वंदना ने 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण किया और तब से लेकर आज तक उन्होंने कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इनमें दो ओलंपिक (रियो 2016, टोक्यो 2020), दो एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप (2018, 2022), तीन कॉमनवेल्थ गेम्स (2014, 2018, 2022) और तीन एशियाई खेल (2014, 2018, 2022) शामिल हैं। वंदना की टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें 2016 और 2023 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2022 में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप और 2018 एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदक शामिल हैं।

वंदना की टोक्यो ओलंपिक में तीन गोल की हैट्रिक हमेशा याद की जाएगी। यह गोल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारत की महत्वपूर्ण 4-3 की जीत में मददगार साबित हुए, जिससे भारत क्वार्टरफाइनल में पहुंचा और अंततः चौथे स्थान पर रहा—यह भारत का ओलंपिक हॉकी में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था। वंदना ने इस बारे में कहा, मैं आज भी टोक्यो के बारे में सोचकर रोमांचित हो जाती हूं। ओलंपिक खास होते हैं, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह मैच मेरे जीवन के सबसे भावुक मैचों में से एक था। मैं बस अपनी टीम और देश के लिए हर कुछ देना चाहती थी। हैट्रिक खास थी, लेकिन उससे ज्यादा यह साबित करना था कि हम इस मंच पर हैं।

अपने अद्वितीय योगदान के लिए वंदना को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया, जिनमें अर्जुन पुरस्कार (2021) और पद्म श्री (2022) शामिल हैं।

रोमानिया के जियानु ने तिरिआक ओपन में दर्ज की पहली जीत

एजेंसी (हि.स.)
बुकारेस्ट

फोटोः हि.स.

रोमानिया के टेनिस खिलाड़ी फिलिप क्रिस्टियन जियानु ने तिरिआक ओपन के पहले दौर में अमेरिकी निशेश बसवारेड्डी को 6-3, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। 23 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी, जो एटीपी रैंकिंग में 241वें स्थान पर हैं, ने 108वीं रैंकिंग वाले बसवारेड्डी को 93 मिनट में पराजित किया। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी ने अधिक विनर (22-13) लगाए, लेकिन उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर (16-9) भी किए, जिसका फायदा जियानु को मिला।

इस जीत के साथ जियानु को 10,460 यूरो (11,317 अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि और 25 एटीपी अंक मिले। अब वे प्री-क्वार्टर फाइनल में वैलेंटिन वाशेरोट या दामिर जुहुमर में से किसी एक से भिड़ेंगे। वहीं, एक अन्य रोमानियाई खिलाड़ी, लुका प्रेडा, पहले दौर में वाशेरोट से 6-2, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। उन्हें 3,200 यूरो (3,462 अमेरिकी डॉलर) और 7 एटीपी अंक प्राप्त हुए। तिरिआक ओपन, जो एक एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट है, 31 मार्च से 6 अप्रैल तक बुकारेस्ट के नेशनल टेनिस सेंटर में खेला जा रहा है।

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी, शाई होप बने टी20 कप्तान

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रैथवेट ने चार साल तक टीम का नेतृत्व किया। वहीं, शाई होप को वेस्टइंडीज टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। 32 वर्षीय ब्रैथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। दूसरी ओर, शाई होप, जो पहले से ही वनडे टीम के कप्तान हैं, अब रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। पॉवेल मई 2023 से टी20 टीम की कप्तानी कर रहे थे। सीडब्ल्यूआई के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बोर्ड के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा, टीम के विकास और 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शाई होप को कप्तान नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है।

फोटोः हि.स.

ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं। पिछले साल, उनकी अगुवाई में टीम ने ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 वर्षों में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। इसी साल पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज बराबर करने का कारनामा किया, जो 34 वर्षों में पहली बार हुआ था। उनकी कप्तानी में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में जीत मिली, जबकि 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी।

सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, ब्रैथवेट चाहते थे कि उनकी विदाई से पहले टीम को बदलाव का पर्याप्त समय मिले। इसलिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज से पहले इस्तीफा दिया, जिससे नई नेतृत्व टीम को खुद को स्थापित करने का मौका मिल सके। ब्रैथवेट अभी 98 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज उनके लिए खास होगी, क्योंकि वह अपने 100 टेस्ट पूरे करने के करीब हैं। सीडब्ल्यूआई ने कहा, हम क्रेग ब्रैथवेट के योगदान और उनकी नेतृत्व क्षमता के लिए आभार व्यक्त करते हैं। जल्द ही नए टेस्ट कप्तान की घोषणा की जाएगी। वेस्टइंडीज जून-जुलाई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज खेलेगा, जो नए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरूआत होगी।

जैस्मिन पाओलिनी ने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद नाता तोड़ा

रोम। इटली की टेनिस स्टार जैस्मिन पाओलिनी ने अपने कोच रेंजो फुरलान से 10 साल बाद अलग होने की घोषणा की है। 29 वर्षीय पाओलिनी ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर यह जानकारी साझा की। 10 अद्भुत सालों के बाद, मैं रेंजो फुरलान को उनके योगदान के लिए तहे दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं। उन्होंने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी, पाओलिनी ने लिखा। फुरलान के मार्गदर्शन में पाओलिनी ने शानदार प्रगति की। 2024 में वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन की उपविजेता रहीं, पेरिस ओलंपिक में डबल्स स्वर्ण पदक जीता और इटली को बिली जीन किंग कप जीतने में मदद की। इस शानदार प्रदर्शन के बाद वह दुनिया की नंबर चार खिलाड़ी बनीं। फुरलान को उनके बेहतरीन कोचिंग योगदान के लिए डब्ल्यूटीए कोच ऑफ द ईयर का सम्मान भी मिला। पाओलिनी ने फुरलान के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, रेंजो मेरे लिए सिर्फ एक कोच ही नहीं, बल्कि मेरे व्यक्तित्व के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति रहे हैं।

हर मैच से कुछ न कुछ सीखने को मिलता हैः रमनदीप सिंह

एजेंसी (हि.स.)
मुंबई

फोटोः हि.स.

डिफेंडिंग चैंपियंस कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टाटा आईपीएल 2025 के मैच में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। केकेआर के लिए रमनदीप सिंह की 12 गेंदों पर 22 रन की ताबड़तोड़ पारी, अंगकृष रघुवंशी के 16 गेंदों पर 26 रन और आंद्रे रसल के दो विकेट प्रमुख आकर्षण रहे, लेकिन इसके बावजूद मुंबई इंडियन्स ने 117 रनों का लक्ष्य आराम से हासिल कर लिया। हार के बावजूद केकेआर के ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, किसी भी टीम का पतन हो सकता है, चाहे स्थिति कैसी भी हो। जाहिर तौर पर यह निचले क्रम को मौके देता है, लेकिन आज रात हम दुर्भाग्यशाली रहे। हम अपनी पूरी कोशिश करेंगे कि आगामी टूर्नामेंट में हम ऐसी स्थिति में खुद को न पाएं। रमनदीप ने टीम की आक्रामक बल्लेबाजी के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए कहा कि वे इस प्रदर्शन से सीख सकते हैं। उन्होंने कहा, हम टीम के हर खिलाड़ी को उनके प्राकृतिक तरीके से खेलने के लिए समर्थन करते हैं। कभी-कभी यह काम नहीं करता, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपने खिलाड़ियों को समर्थन दें, ताकि वे अपने 100 प्रतिशत दे सकें और आक्रामक अंदाज में खेल सकें। उन्होंने आगे कहा, हम समझते हैं कि साझेदारियां बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अगर अंगकृष और रिंकू का आक्रामक खेल सफल हो जाता, तो हम उनकी सराहना करते।

नवरात्रि के दिनों में खाने के लिए बना सकते हैं कुछ ऐसा

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्र के दौरान कई भक्त व्रत रखते हैं। ऐसे में अगर आप भी व्रत से नवरात्र की शुरूआत कर रहे हैं तो गेहूं और चावल जैसे हर रोज खाए जाने वाले अनाज से परहेज करें। चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से शुरू हो गए हैं। हर साल हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को चैत्र नवरात्र और हिंदू नव वर्ष का शुभारंभ होता है। भक्त नवरात्र के नौ दिन व्रत रखते हैं और मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की आराधना करते हैं। व्रत के दौरान क्या खाना चाहिए और क्या नहीं इसको लेकर काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। व्रत के दौरान कई ऐसे नियम भी होते हैं, जिसका खास तौर पर ध्यान रखना पड़ता है। आइए जानें नवरात्र के दौरान खाने और न खाने वाली कुछ चीजों के बारे में।

नवरात्र के व्रत में क्या नहीं खाना चाहिए?

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्र के दौरान कई भक्त व्रत रखते हैं। ऐसे में अगर आप भी व्रत से नवरात्र की शुरूआत कर रहे हैं तो गेहूं और चावल जैसे हर रोज खाए जाने वाले अनाज से परहेज करें। आप इस दौरान समा का चावल खा सकते हैं।

नवरात्रि के दौरान तामसिक खाने जैसे प्याज और लहसुन डाले खाने को खाने से परहेज करना चाहिए। नौ दिन के दौरान सात्विक खाना बेहतर माना जाता है।

मांसाहारी भोजन जैसे चिकन, मटन, मछली, अंडा आदि का सेवन पूरी तरह वर्जित है। इसका सेवन भूल कर भी नहीं करना चाहिए।

नवरात्रि व्रत में क्या खा सकते हैं?

नवरात्रि व्रत के दौरान आप समा के चावल को खा सकते हैं। इस चावल को व्रत के चावल नाम से भी जाना जाता है। आप अनाज में कुट्टू का आटा या फिर साबूदाना खा सकते हैं। इसको खाने से व्रत के दौरान भी शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

अगर आप सब्जी खाने का सोच रहे हैं तो आप आलू, शकरकंद, खीरा इत्यादि सब्जियों को खा सकते हैं। आप आलू और शकरकंद को दही के साथ भी खा सकते हैं।

दूध और डेयरी प्रोडक्टः आप व्रत के दौरान दूध, दही, पनीर को भी खा सकते हैं। इसमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है।

फ्रूट्स और ड्राई फ्रूट्स भी व्रत में खाना बेहतर होता है। आप सेब, केला, पपीता, अनार, अंगूर, काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश, मखाना, मूंगफली इत्यादि को खा सकते हैं।

नवरात्रि व्रत के दौरान जो लोग सेंधा नमक का सेवन नहीं करते हैं उनकी पहली पसंद है साबूदाना खीर। आपको बता दं कि साबूदाना की खीर को आसानी से कम समय में बनाया जा सकता है।

नवरात्रि व्रत के दौरान सबसे ज्यादा खाई जाने वाली डिश में से एक है साबुदाना खिचड़ी। साबूदाना खिचड़ी एक ऐसी रेसिपी है। जिसे व्रत के दौरान खूब पंसद किया जाता है। साबूदाना खिचड़ी में मूंगफली के दाने और हरी घनिया पत्ति का इस्तेमाल करके इसे टेस्टी और हेल्दी बना सकते हैं।

कुट्टू की पूरी और आलू की सब्जी को व्रत में खाया जाता है। इसे खाकर पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है। अगर आप आलू की सब्जी के साथ पूरी को नहीं खाना चाहते तो आप इन्हें दही के साथ भी खा सकते हैं।

व्रत में आलू का खूब इस्तेमाल किया जाता है अगर आप भी आलू से कुछ टेस्टी डिश बनाना चाहते हैं तो आप व्रत वाले आलू दही को ट्राई कर सकते हैं। इस सब्जी में उबले हुए आलू को दही की गाढ़ी ग्रेवी में डालकर तैयार किया जाता है।

समोसा एक ऐसी डिश है, जिसे खाना भारतीय लोगों को बहुत पसंद होता हैं। व्रत के दौरान आप ऐसे स्नैक्स को मिस ना करें इसके लिए आप सिंघाड़े के आटे और चिरौंजी से इन समोसा को तैयार कर सकते हैं।

भारतीय लोगों की फेवरेट खाने की लिस्ट में शामिल है कढ़ी। मगर व्रत के दौरान इसे कैसे खा सकते हैं ये आप सोच रहे हैं तो हम आपको बता दें कि आप व्रत के दौरान कढ़ी खा सकते हैं। बस आपको इसे रेगुलर कढ़ी से बदलना है। नवरात्रि व्रत में आप आलू की कढ़ी बना कर खा सकते हैं।

मखाना खीर

नवरात्रि व्रत के दौरान जब भी आपका कुछ टेस्टी मीठा खाने का मन करें, तो आप इस मखाना खीर को झटपट बना सकते हैं। इसमें आप सूखे मेवे, केसर इलाइची का इस्तेमाल कर टेस्टी खीर बना सकते हैं। मखाने को सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है।

कुट्टू के आटे को व्रत के दौरान सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। कुट्टू के आटे से स्वादिष्ट डोसा भी बनाया जा सकता है। कुट्टू के आटे में अरबी को मिलाकर और इसके बीच में आलू की फीलिंग भरी जाती है।

नवरात्रि व्रत के दौरान लाइट और टेस्टी डिश बनाना चाहते हैं तो आप व्रतवाले चावल से टेस्टी डिश तैयार कर सकते हैं। व्रतवाले चावल का ढोकला एक टेस्टी और हेल्दी रेसिपी है। इसे साबुत लाल मिर्च, जीरा, घी और कढ़ी पत्ता के तड़के के साथ बनाया जा सकता है।

लौकी का हलवा आपके लिए मीठे का एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसे बनाने के लिए लौकी को घिसकर इसे घी में भून लें। फिर इसमें थोड़ा सा चीनी और दूध मिलाएं। अच्छे से पकाएं और ड्राई फ्रूट्स मिलाकर खाएं।

राजगीरा की खीर और रोटी व्रत के लिए परफेक्ट भोजन हो सकता है। तो, आपको करना ये है कि राजगीरा लें और इसे दूध में पकाकर खीर बना लें। फिर इस खीर में ड्राई फ्रूट्स से गार्मिश करें और रोटी के साथ इसे खाएं।

मखाना ड्राई फ्रूट्स नमकीन बनाने के लिए एक कड़ाही में एक बड़ा चम्मच देसी घी डालें और इसमें सबसे पहले मूंगफली को धीमी आंच पर क्रिस्पी होने तक रोस्ट करें। अब एक बाउल में निकाल लें। इसी कड़ाही में बादाम को फिर काजू और खरबूजे के बीज के बीज को बारी बारी रोस्ट करके निकाल लें। इसके बाद किशमिश को कुछ सेकेंड रोस्ट करें। नारियल के टुकड़ों को रोस्ट करें और बाउल में निकाल लें। कड़ाही में थोड़ा घी और डालें, इसमें हरी मिर्च, कढ़ीपत्ता डालकर कुछ सेकेंड भूनें और कुछ देर बाद इसमें मखाना डालें और इसे क्रिस्पी होने तक रोस्ट करें। आप इसे एयर डाइट कंटेनर में स्टोर करके रख सकते हैं।

प्रशासक ने चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में 281 नवनियुक्त जेबीटी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे

नए शिक्षकों के कंधों पर देश के भविष्य की जिम्मेदारी: गुलाब चंद कटारिया

बुनियादी शिक्षा बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है: कटारिया

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने आज शिक्षा विभाग, यूटी चंडीगढ़ द्वारा सेक्टर 42 स्थित राजकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 281 नवनियुक्त जूनियर बेसिक ट्रेनिंग (जेबीटी) शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह समारोह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप शहर की शिक्षा प्रणाली के ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम था।

अपने संबोधन के दौरान, प्रशासक यूटी चंडीगढ़ ने नवनियुक्त जेबीटी शिक्षकों को बधाई दी और इस तरह के शानदार प्रदर्शन के लिए शिक्षा विभाग के अथक प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने शिक्षक की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षक का कार्य भले ही साधारण जीवन हो, लेकिन अपने विद्यार्थियों से उन्हें जो गौरव और सम्मान मिलता है, वह अमूल्य है। कटारिया ने कहा कि यह पिछले अच्छे कर्मों का परिणाम है कि शिक्षक बनने का अवसर मिलता है, क्योंकि शिक्षक का कार्य केवल पेशा नहीं है, बल्कि यह समाज और देश की सेवा करने का ईश्वर द्वारा दिया गया अवसर है।

विद्यार्थियों के लिए मजबूत नींव बनाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कटारिया ने कहा कि बुनियादी शिक्षा बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षक को आचरण में अनुकरणीय होना चाहिए, क्योंकि विद्यार्थी शब्दों से ज्यादा कर्मों से सीखता है। प्रशासक ने अगले एक वर्ष में सरकारी स्कूलों के परिणामों को निजी स्कूलों के स्तर से ऊपर उठाने की इच्छा व्यक्त की, ताकि अभिभावक सरकारी स्कूलों में प्रवेश लेने के लिए लाइन में लगें। उन्होंने शिक्षकों से आान किया कि वे शिक्षा को एक मिशन के रूप में अपनाएं तथा प्रत्येक विद्यार्थी को इस प्रकार तैयार करें कि वे अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को छू सकें तथा भावी भारत को 2047 तक विश्व गुरु बनाने के लिए तैयार कर सकें।

चंडीगढ़ के कुल 111 सरकारी स्कूलों में लगभग 1.5 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें से 41,419 विद्यार्थी प्राथमिक स्तर पर अध्ययनरत हैं। इन स्कूलों में जेबीटी अध्यापकों के 1,391 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से 469 पद रिक्त थे। 281 जेबीटी अध्यापकों की भर्ती के लिए पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक संरचित प्रक्रिया तैयार की गई थी। आज इन नए अध्यापकों की नियुक्ति से सरकारी स्कूलों की शिक्षा प्रणाली को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

पेयजल व गंदे पानी की समस्या की जांच कर जल्द से जल्द कार्य शुरू करने के दिए निर्देश

समस्याओं का संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निवारण करने के दिए निर्देश

उपायुक्त ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाने की करी अपील

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में गांव रामपुर सियुडी के ग्रामीणों की पेयजल समस्या व गंदे पानी की निकासी पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने पब्लिक हैल्थ, पीडब्ल्यूडी एमएच डिविजन व नगर परिषद कालका को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने व जल्द से जल्द कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जिले की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक कार्यदिवस को जिला में प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया हैं। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जिले की जनता की समस्याओं का मौके पर व जल्द से जल्द समाधान करना हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी स्वयं शिविर से जुडते है व शिविरों में सुनी जा रही समस्याओं की मोनिटरिंग करते है। उपायुक्त ने जिलावासियों से समाधान शिविर में आकर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने की अपील की। उन्होंने आज समाधान शिविर में 11 जिलावासियों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी यहां जिलावासियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकत्रित हुए है। उन्होने निर्देश दिए कि जिले की जनता को बार बार अपने कार्यो के लिए चक्कर न काटने पडें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्राथमिकता के आधार पर लोगों की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। इसमें किसी किस्म की कोताही की गुंजाईश नहीं है। इस अवसर पर नगराधीश विश्वनाथ, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, राजस्व विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, बाल कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, मत्सय विभाग, पुलिस विभाग, माईनिंग, पीडब्लयूडी बीएंड आर, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, यूएचबीवीएन, नगर निगम कालका व पंचकूला के अधिकारी मौजूद रहे।

नगर काउंसिल ने इस वित्त वर्ष के दौरान प्रॉपर्टी टैक्स के रूप में इकट्ठा किए करीब 22 करोड़ 22 लाख रुपए

संवाददाता
जीरकपुर

नगर काउंसिल जीरकपुर की कार्यप्रणाली पर अक्सर ही लोगों द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं किसी न किसी मामले को लेकर नगर काउंसिल पर लगातार उंगली उठाई जाती है। अगर बात प्रॉपर्टी टैक्स की करें तो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान नगर काउंसिल जीरकपुर को करीब 23 करोड़ 62 लाख रुपए मिले थे उसके मुकाबले 1 अप्रैल 2024 से लेकर 31 मार्च 2025 तक कुल करीब 22 करोड़ 22 लाख 5 हजार 71 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष काम राजस्व का मिलना अपने आप में एक बड़ा सवाल है। लोगों के अनुसार पिछले वर्ष नगर काउंसिल द्वारा एक स्कीम लागू की गई थी और बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाने वाले लोगों के लिए रिबेट की भी घोषणा की गई थी जो के इस वर्ष नहीं की गई। लोगों के अनुसार प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच के द्वारा पूरा साल धीरे-धीरे मनमाने तरीके से प्रॉपर्टी टैक्स लिया जा रहा था लेकिन वर्ष के आखिरी 15 दिन में लोगों की बिल्डिंग धड़ाधड़ से सील करनी शुरू कर दी थी तथा प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन के लिए कार्रवाई शुरू कर दी थी। अगर ऐसी कार्रवाई वित्त वर्ष के शुरू में ही शुरू कर दी जाती तो आखिरी दिनों में इतनी बड़ी समस्या न पैदा होती है और नगर काउंसिल को अपने कर्मचारियों की ड्यूटी 12-12 घंटे लगातार तथा छुट्टी वाले दिन भी ड्यूटी ना लेनी पड़ती है। जिक्र योग्य है के प्रॉपर्टी टैक्स ब्रांच में नगर काउंसिल के इंस्पेक्टर तथा सुपरीटेंडेंट मैडम प्रोमिला की ड्यूटी लगे हुए भी करीब 7 से 8 महीने हो गए हैं लेकिन उनके द्वारा भी कोई ऐसी योजना नहीं बनाई गई जिससे वित्त वर्ष के आखिरी दिनों में प्रॉपर्टी टैक्स के काम का बोझ कम रहे।

एनएचपीसी द्वारा 800 मेगावाट की पार्वती-।। जलविद्युत परियोजना की 3 इकाईयों (200 मेगावाट प्रत्येक) का संचालन

चौथी इकाई के जल्द ही चालू होने की उम्मीद

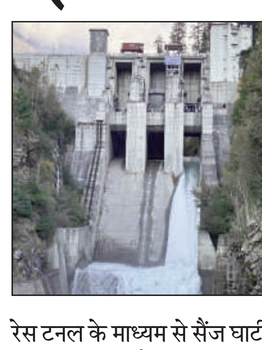

संवाददाता
चंडीगढ़

एनएचपीसी की 800 मेगावाट की पार्बती-।। परियोजना (हिमाचल प्रदेश) ने 01.04.2025 को 00:00 बजे चार में से तीन इकाइयों का वाणिज्यिक संचालन हासिल कर लिया है। चौथी इकाई के जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, आर.के. चौधरी, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने कहा कि, मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हिमाचल प्रदेश में स्थित एनएचपीसी की महत्वाकांक्षी 800 मेगावाट की पार्बती-।। जलविद्युत परियोजना की तीन इकाइयों (200 मेगावाट प्रत्येक) को मार्च 2025 के दौरान सफलतापूर्वक संचालित कर दिया गया है और आज 1 अप्रैल, 2025 को वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि, पार्बती-।। परियोजना हमारी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिसने अपने निर्माण के दौरान कई चुनौतियों और बाधाओं को पार किया है और यह उपलब्धि हमारे प्रतिबद्ध कार्मिकों की कड़ी मेहनत, समर्पण और टीम वर्क का प्रमाण है।

पार्बती-।। जलविद्युत परियोजना, जिसकी कुल संस्थापित क्षमता 800 मेगावाट (4 X200 मेगावाट) है, एक 'रन ऑफ द रिवर' परियोजना है, जिसमें हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्बती नदी पर छोटे पॉण्डेज का निर्माण किया गया है। मणिकरण घाटी में पुलगा गांव के निकट 83.7 मीटर ऊंचा कंक्रीट ग्रेविटी बाँध बनाकर पार्बती नदी की धारा को मोड़कर तथा पानी को 31.56 किलोमीटर लंबी हेड रेस टनल के माध्यम से सैंज घाटी तक ले जाया जा रहा है, जहां सिउंड गांव में पावर हाउस का निर्माण किया गया है। पुलगा और सिउंड के बीच 862.50 मीटर की कुल ऊंचाई का उपयोग 800 मेगावाट विद्युत उत्पादन के लिए किया जा रहा है। हेड रेस टनल के साथ आने वाले, पांच नालों के पानी के मिलने से पार्बती के जल प्रवाह में और अधिक वृद्धि हुई है। पावर हाउस में 200 मेगावाट की 4 पेल्टन टर्बाइनें हैं।

परियोजना की 31.56 किलोमीटर लंबी एचआरटी भारत की सबसे लंबी जलविद्युत सुरंग है। दो इन्क्लाइन्ड प्रेशर शाफ्ट, जो प्रत्येक 1545.50 मीटर लंबा है, टीबीएम से खोदी गई दुनिया की सबसे लंबी इन्क्लाइन्ड प्रेशर शाफ्ट सुरंगें हैं। हिमाचल प्रदेश राज्य को इस परियोजना से 12% निःशुल्क ऊर्जा मिलेगी और 1% अतिरिक्त निःशुल्क ऊर्जा का उपयोग स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के लिए किया जाएगा। परियोजना की आधारशिला तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 12 दिसंबर 1999 को रखी गई थी। परियोजना का निर्माण सितंबर 2002 में शुरू हुआ था। निर्माण के दौरान परियोजना को कई चुनौतियों जैसे बादल फटना, अचानक बाढ़, बैक-स्लोप विफलता, भारी डिस्चार्ज के साथ सिल्ट और शियर जोन आदि का सामना करना पड़ा है। परियोजना ने इन चुनौतियों पर सफलतापूर्वक काबू पाया और जीवा नाले से प्राप्त पानी का उपयोग, आंशिक लोड पर उत्पादन के लिए किया, जिसकी शुरूआत सितंबर 2018 में हुई। कुल 1130 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली का Infirm Power उत्पादन किया गया और लगभग 182 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। परियोजना की अनुमानित पूर्णता लागत 13,045 करोड़ रुपए है। परियोजना की डिजाइन ऊर्जा 3074 मिलियन यूनिट (एमयू) है।

विधायक लुधियाना में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में हुए शामिल

जीरकपुर। आम आदमी पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लुधियाना में होने वाली कार्यकारिणी बैठक में शामिल होने के लिए डेराबस्सी विधायक कुलजीत सिंह रंधावा अपने हलका अध्यक्षों के साथ रवाना हुए। इस बैठक में पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं के साथ-साथ आम स्वयंसेवकों को भी आमंत्रित किया गया है। इस बैठक में लुधियाना में होने वाले उपचुनाव पर विस्तार से चर्चा होगी। प्रमुख नेताओं से लेकर स्वयंसेवकों तक को चुनावी रणनीति की जानकारी दी जायेगी। यह सीट लुधियाना विधानसभा क्षेत्र पश्चिम से विधायक गुरप्रीत गोगी के निधन के बाद खाली हुई है। इसलिए सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी ने यहां से राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है। विधायक रंधावा ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित कार्यकारिणी बैठक में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, आप प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा के अलावा अन्य नेता पहुंचे हैं।

गर्मी के मौसम के चलते उपायुक्त ने नागरिकों से की पेयजल को व्यर्थ नहीं बहाने की अपील

प्रत्येक जिलावासी जल संरक्षण में करें अपनी भागीदारी सुनिश्चित

संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने गर्मी के मौसम के चलते जिलावासियों का आान किया कि वे पीने के पानी को व्यर्थ न बहाएं। गर्मी के मौसम में जल संरक्षण का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जल संरक्षण जरूरत भी है और यह हमारा कर्तव्य भी है। इसलिए सभी जिलावासी जल संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। पेयजल से संबंधित किसी भी समस्या के लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग का टोल फ्री नंबर 1800-180-5678 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम धीरे-धीरे अपने परवान पर चढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है वैसे-वैसे पानी की खपत बढ़ती जा रही है।

इस प्रकार कर सकते हैं पानी बचत

- अपने घर या आस-पास में पानी के रिसाव को ठीक करवाएं।
- अपने गार्डन में होज नोजल का उपयोग करें।
- घर में शॉवर का कम से कम इस्तेमाल करें।
- अधिक कपड़े एक साथ धोएं। पेयजल से अपने वाहन को न धोएं।
- कार धोने के लिए बाल्टी और कपड़े का इस्तेमाल करें।
- पशुओं को पेयजल से न नहलाएं।
- घर में पानी के नल को खुला न छोड़े।
- बर्तन आदि साफ करते समय बाल्टी का प्रयोग करें।
- बारिश के पानी को संचय करें और उसे व्यर्थ न बहाएं।

नागरिकों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में सभी नागरिकों को पीने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, इसको लेकर उनके द्वारा सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं। उपायुक्त ने कहा कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि गर्मी के मौसम के दौरान पेयजल आपूर्ति के लिए नहरी पानी के अलावा ट्यूबवैलों से पानी सप्लाई की वैकल्पिक व्यवस्था जरूर रखें। नागरिकों को पेयजल का संकट का सामना न करना पड़े। इसी कड़ी में उन्होंने गर्मी के मौसम में पानी की अधिक खपत को देखते हुए नागरिकों से जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी द्वारा बताए गए पानी की बचत के उपायों पर पेयजल की बबार्दी रोकने का आह्वान किया है।

कांग्रेसी कार्यकताओं ने जलाया मान का पुतला

जीरकपुर। बीते दिनों पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा एक चैनल पर बैठकर सांसद राहुल गांधी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के बाद पंजाब में कांग्रेसी कार्यकताओं में रोष की लहर दौड़ गई है। इसी के चलते आज पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वेडिंग के दिशा निर्देशों पर पंजाब के समूह ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा कांग्रेसी कार्यकताओं के साथ मिलकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला जलाया गया। इसी कड़ी के तहत आज जीरकपुर के ढकोली क्षेत्र में ब्लॉक अध्यक्ष हर्ष ऋषि की अध्यक्षता में भी मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला जलाया गया। इसी दौरान बात करते हुए जीरकपुर के ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष हर्ष ऋषि ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा अक्सर गाना चलाया जाता था ''तेरे यार नू दबन नू फर्दे ने पर दबदा किथे है'' लेकिन अब मुख्यमंत्री को अमित शाह द्वारा दबा लिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा अमित शाह के इशारे पर ही किसानों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें जेल भेजा गया है।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने किया 'योग एवं ध्यान शिविर' का आयोजन

संवाददाता
पंचकूला

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा विश्व शांति की मंगल कामना के उद्देश्य से श्री दुर्गा माता मंदिर सेक्टर 7 पंचकूला में योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान की ओर से श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी रूपेश्वरी भारती जी ने बताया कि आज 21वीं सदी के वैज्ञानिक एवं प्रगतिवादी युग में मनुष्य के पास भौतिक सुख सुविधाएं तो हैं परंतु मानसिक शान्ति का अभाव होने के कारण मनुष्य अशांत एवं अवसाद से ग्रसित है। ध्यान को मानसिक शान्ति का उपाय बताये हुए साध्वी जी ने बताया कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति की मेधा प्रज्ञा इस तथ्य को सर्वसम्मति से स्वीकार करती है की ध्यान से ही मनुष्य मानसिक शान्ति को प्राप्त कर सकता है। परन्तु विडम्बना है कि आज मूलतः सम्मोहन क्रिया को ही ध्यान का अंग स्वीकार कर लिया जाता है। जब कि ऐसा नहीं है। ध्यान तो वैदिक सनातन पद्धति का विशुद्ध अंग है। जो की ध्येय और ध्याता के संयोग से पूर्ण होता है। समस्त धार्मिक ग्रंथों में ईश्वर को प्रकाश स्वरुप बताया गया है जैसे कि वेदों में ईश्वर को आदित्यवर्णम्‌भाव की सूर्य स्वरुप बता कर अंतः करण में उसके प्रकाश स्वरुप दर्शन की बात की गई है। जिसे गायत्री मन्त्र में भर्गो देवस्य धीमहि के उदघोषस्वरूप बताया गया है। जिसमे पूर्ण सद्गुरु शरणागति साधक को ब्रह्म ज्ञान की दीक्षा प्रदान कर उसकी दिव्य दृष्टि खोल कर उसे ध्येय स्वरुप ईश्वर के प्रकाश स्वरुप का दर्शन करवाते हैं। फिर आरम्भ होती है ध्यान की शाश्वत प्रक्रिया।

संक्षिप्त-समाचार

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन 23 लाख 31 हजार 550 रुपए आया चढावा

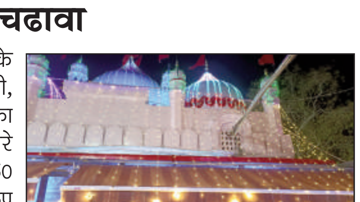

पंचकूला। चैत्र नवरात्र मेले के दूसरे दिन श्री माता मनसा देवी, श्री काली माता मंदिर कालका मंदिर में श्रद्धालुओं ने दूसरे दिन 23 लाख 31 हजार 550 रुपए की राशि दान स्वरूप अर्पित की। माता मनसा देवी मंदिर में 85 हजार श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। श्री माता मनसा देवी मंदिर में 17 लाख 01 हजार 285 रुपये, श्री काली माता मंदिर कालका में 5 लाख 70 हजार 500 रुपये दान स्वरूप अर्पित किए गए। इसके अलावा श्री माता मनसा देवी मंदिर में चांदी के 45 नग और श्री काली माता मंदिर कालका में 65 नग भी दान स्वरूप अर्पित किए गये।

विनोद गोयल अध्यक्ष तथा संदीप मित्तल सर्वसम्मति से बने अग्रवाल सभा के जनरल सेक्रेटरी

जीरकपुर। अग्रवाल सभा जीरकपुर के आज हुए चुनाव में अध्यक्ष पद पर विनोद गोयल और जनरल सैक्रेटरी पद पर संदीप कुमार मित्तल को चुना गया है। विनोद गोयल ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालते हुए सभा के विकास और समाज सेवा के लिए अपने कार्यो को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। वहीं, संदीप कुमार मित्तल ने जनरल सैक्रेटरी के रूप में सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने और सभा की गतिविधियों को बढ़ाने का संकल्प लिया। इस चुनाव ने सभा के सदस्यों में उत्साह और उमंग का संचार किया है, और नए नेतृत्व के प्रति सभी ने अपनी शुभकामनाएं प्रकट की हैं। सभा के सदस्यों ने एकजुटता और सहयोग से आगे बढ़ने की बात कही।

एसडी कॉलेज में 'व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन

क्लासरूम किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते: रंधावा

संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है, इसमें कोई शॉर्टकट नहीं: रंधावा

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से मंगलवार को 'व्यक्तिगत विकास: अभिनय तकनीक और फिल्म निर्माण' शीर्षक से वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और लेखिका कुलराज रंधावा और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और फिल्म निमार्ता प्रोफेसर पीएस निरोला ने भाग लिया। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की जिससे उन्हें रचनात्मक और संचार कौशल के बारे में बेहतर जानकारी मिली। रंधावा ने अपने जीवन और अभिनय करियर से जुड़े रोचक किस्से सुनाए।

उन्होंने बताया कि संघर्ष का दौर किसी व्यक्ति को बना या बिगाड़ सकता है। इसमें कोई शॉर्टकट नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि क्लासरूम कभी भी किसी प्रोफेशनल को मूवी सेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं कर सकते हैं। पत्रकारिता और रचनात्मक कलाओं के संबंध में मोबाइल टेक्नोलॉजी के विकास के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। हमें कुछ नया करना चाहिए और ऐसा कंटेंट बनाना चाहिए जो बाकियों से अलग हो। कंटेंट क्रिएटर्स और एक्टर्स को अपनी खुद की अनूठी शैली विकसित करनी चाहिए।

प्रो. निरोला ने कहा कि रचनात्मक लेखन के लिए सूचना, ज्ञान और विवेक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लेखन से पाठकों की जिज्ञासा जागृत होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सेट पर अनुशासन और व्यवस्था के महत्व को समझाया। निरोला ने यह भी बताया कि माइक्रोड्रामा और होम थिएटर जैसे नए चलन सिनेमाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं। वर्कशॉप में छात्रों को अभिनय तकनीक, कहानी कहने, संवाद लेखन और फिल्म निर्माण की बुनियादी बातों का ज्ञान दिया गया। प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया जिसका उद्देश्य उनका आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और सिनेमेटिक कहानी कहने की समझ को बढ़ाना था।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्कशॉप की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हमारे छात्रों के लिए मीडिया, रचनात्मकता और आत्म-सुधार के बीच के संबंध को जानने का एक शानदार अवसर था। कुलराज रंधावा और प्रो. पीएस निरोला जैसे इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स से सीखने से उन्हें अमूल्य जानकारी मिली है जो उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में लाभकारी होगी। विभागाध्यक्ष डॉ. प्रिया चड्ढा ने कहा कि आज के डिजिटल युग में, कहानी सुनाना एक शक्तिशाली उपकरण है। इस वर्कशॉप ने हमारे छात्रों को पत्रकारिता से परे कौशल प्रदान किया है, जिससे उन्हें आत्मविश्वासी संचारक और रचनात्मक विचारक बनने में मदद मिली है। छात्रों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। यह वर्कशॉप मीडिया, पत्रकारिता और फिल्म निर्माण में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई। कार्यक्रम में विभाग और यंग कम्युनिकेटर्स क्लब की विभिन्न गतिविधियों और परियोजनाओं में भाग लेने वाले छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

एनएचपीसी द्वारा 'ज्ञानांकन - द बिजनेस क्विज' का आयोजन

संवाददाता
चंडीगढ़

एनएचपीसी ने संगठनात्मक विकास पहल के एक भाग के रूप में 'ज्ञानांकन - द बिजनेस क्विज' का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्देश्य कार्मिकों को नवीनतम व्यावसायिक शब्दावली, समसामयिक मामलों और वैश्विक स्तर पर हो रही अन्य प्रगति के प्रति सचेत रहने के लिए प्रोत्साहित करना और साथ ही कार्मिकों की नवोन्वेषी क्षमता और रचनात्मकता को जागृत करना है। 'ज्ञानांकन' - बिजनेस क्विज के पहले संस्करण को एनएचपीसी के सभी विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों, पावर स्टेशनों, परियोजनाओं और यूनिटों के कार्मिकों से अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। क्विज के प्रारंभिक चरण में देश भर में एनएचपीसी के विभिन्न कार्यस्थलों से भागीदारी हुई।

सेमी-फाइनल और ग्रैंड फि नाले राउंड का आयोजन निगम मुख्यालय, फरीदाबाद के जल तरंग सभागार में 18 मार्च 2025 को किया गया। इस ग्रैंड फिनाले के मुख्य अतिथि उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी थे। ग्रैंड फिनाले में बिजनेस और कारपोरेट वर्ल्ड और सामान्य ज्ञान के विषयों पर छह टीमों के बीच विलक्षण प्रश्नोत्तरी के रोमांचक दौर शामिल थे, जिससे सभी दर्शक बहुत रोमांचित हुए। एनएचपीसी सेवा-।। पावर स्टेशन (जम्मू एवं कश्मीर) से अब्दुल हादी, प्रबंधक (विद्युत) और दीपक, उप प्रबंधक (यांत्रिकी) की टीम 'ज्ञानांकन - द बिजनेस क्विज' की विजेता रही। एनएचपीसी धौलीगंगा पावर स्टेशन (उत्तराखंड) से सिद्धि विनायक, महाप्रबंधक (सिविल) तथा सेवा-क्क पावर स्टेशन (जम्मू एवं कश्मीर) से सी विनोद, वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत) की टीम दूसरे स्थान पर रही। एनएचपीसी लोकतक पावर स्टेशन (मणीपुर) से टी. मारकोनी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (आई टी) तथा अजय आचार्य, प्रबंधक (विद्युत) की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस क्विज का संचालन सुप्रसिद्ध क्विज मास्टर एस. पी. एस. जग्गी, पूर्व निदेशक (पी अँड ए), एस सी आई तथा दीपक तनेजा, अतिरिक्त महाप्रबंधक (सीसी), इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने किया।